बर्षः- 06
अंकः- 20
मुरादाबाद
(Monday)
11 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत; बंगलूरू में पीएम मोदी ने गिनाई भाजपा की उपलब्धियां

पीएम नरेंद्र मोदी ने बंगलूरू की जनसभा में चुनावी जीत, राजनीतिक स्थिरता और भाजपा के विस्तार को भारत की नई दिशा बताई। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी और गुजरात के चुनाव नतीजों को जनता के नतीजों का संदेश बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बंगलूरू में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज बंगलूरू की धरती से भगवा सूरज उग आया है। एक भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर, मैं समझता हूं कि जब हजारों भाजपा कार्यकर्ता इतनी सुबह एक साथ

आ सकते हैं, तो इसका क्या मतलब होता है। मैं आप सभी का आभारी हूं। बंगाल की जीत आपकी भी जीत है। पीएम मोदी ने कहा, आज 10 मई की ऐतिहासिक तारीख है। 1857 में आज के ही दिन स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी फूटी थी। समय के साथ ये चिंगारी एक बड़ी ज्वाला में बदल गई, जिसने गुलामी की बेड़ियों को जलाकर भस्म कर दिया। उन्होंने कहा कि साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी भावना से प्रेरित होकर, तीन दिन पहले हमने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई। कल सुबह, 11 तारीख को, मैं गुजरात के सोमनाथ में रहूंगा, जहां मंदिर के पुनर्निर्माण का उत्सव मनाया जाएगा।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैं ऐसे समय में बंगलूरू आया हूं, जब देश में चुनाव परिणामों पर चर्चा चल रही है। पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार एनडीए की सरकार बनना, असम में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना, बंगाल में पहली बार भाजपा को इतना बड़ा आशीर्वाद मिलना और अभी-अभी 2 सप्ताह पहले गुजरात के पंचायत और निकाय चुनाव में इतनी भारी विजय मिली कि गुजरात भाजपा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। ये चुनाव परिणाम भारत की राजनीतिक दशा-दिशा के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये भारत के नौजवानों, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग, हर वर्ग का मूड दर्शाते हैं। इन परिणामों का एक बहुत बड़ा संदेश ये भी है कि अस्थिरता में घिरी इस दुनिया में भारत की जनता स्थिरता का मंत्र दे रही है।उन्होंने कहा कि भारत की जनता कह रही है कि हमें स्पीड चाहिए। हमें स्कैम नहीं समाधान चाहिए। हमें राष्ट्र नीति वाली राजनीति चाहिए। आज पूरा देश भाजपा की राष्ट्र नीति के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, आपको याद होगा कि सिर्फ 10 साल पहले बंगाल में हमारे सिर्फ 3 एमएलए थे। लेकिन आज वहां 200 से भी अधिक विधायकों के साथ भाजपा की सरकार है। अभी केरलम में भी हम 1 से 3 एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी भाजपा-एनडीए की संख्या 3 से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि हम 12 साल से केंद्र में हैं, देश के 21 से ज्यादा प्रदेशों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। हम राज्य के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर काम कर रहे हैं। लेकिन, दूसरी तरफ आप कांग्रेस को देखिए, जिस पार्टी को 40 साल पहले 400 से अधिक सीट मिली थी। वो पिछले 3 इलेक्शन में सबकुछ मिलाकर भी 100 का आंकड़ा छू नहीं पा रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस और उसके साथियों का अहंकार अधिक है कि अपनी पराजय के लिए भी वो पूरी दुनिया को दोष दे रहे हैं। संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक प्रक्रियाएं, कोर्ट के प्रति भी घृणा, मेरे सार्वजनिक जीवन में मैंने कभी भी किसी भी मुख्यधारा की पार्टी को ऐसा करते हुए नहीं देखा। वो इतनी निराशा की गर्त में डूबे हुए हैं कि गाली-गलौच और भद्दी भाषा के सिवाय उनके पास कोई एजेंडा नहीं बचा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकारों के लिए लोक कल्याण सर्वोपरि है। हमारा मंत्र सबका साथ-सबका विकास है। हमारा मॉडल गुड गवर्नेंस का है। इसलिए हर राज्य में जनता भाजपा को दूसरी-तीसरी बार फिर से सेवा करने का अवसर देती है। लेकिन कांग्रेस की कोई भी राज्य सरकार दूसरी बार सत्ता में वापस नहीं लौटी है।बंगलूरू में आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने भव्य ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने युवाओं, डिजिटल क्रांति और पर्यावरण संरक्षण को देश की प्रगति का आधार बताया। उन्होंने समाज की शक्ति को सर्वोपरि रखते हुए प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्रालय को लिखा पत्र, बोले-ईआई प्रक्रिया मजाक बनी

कांग्रेस नेता ने पूर्व पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर के 2015 के लोकसभा बयान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तब प्रकाश जावड़ेकर ने गुजरात सरकार की रैपिड ईआईए के आधार पर मंजूरी देने की मांग को खारिज कर दिया था और कहा था कि सिर्फ एक मौसम के डेटा पर आधारित अध्ययन पर्यावरणीय चिंताओं को नहीं समझ सकता।कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार और पर्यावरण मंत्रालय पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक विस्तृत पत्र लिखकर कहा कि सरकार जिस मजबूत और व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन यानी ईआईए का दावा कर रही है, वह दस्तावेजों और रिपोर्टों में कहीं दिखाई नहीं देता। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि इस परियोजना के लिए किए गए पर्यावरणीय अध्ययन बेहद सीमित, अधूरे और वैज्ञानिक मानकों के खिलाफ हैं। परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का व्यापक अध्ययन किया गया है और उन्हें प्रभावी तरीके से मैनेज किया जा रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि उन्होंने 3 मई को इन पूछे जाने वाले प्रश्न का जवाब दिया था, लेकिन अब वे कुछ और महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखना चाहते हैं।जयराम रमेश ने कहा कि कानून के मुताबिक अंडमान-निकोबार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बनने वाले बड़े पोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए व्यापक ईआईए जरूरी होता है।

योगी कैबिनेट में शामिल हुए छह नए चेहरे, भूपेंद्र सिंह व मनोज पांडेय बने मंत्री

कैबिनेट में शामिल होने वाले नए चेहरों में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सपा के बागी विधायक व पूर्व मंत्री मनोज पांडेय और अलीगढ़ के खैर से विधायक सुरेंद्र दिलेर, कृष्णा पासवान, हंसराज विश्वकर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री मनोज कुमार पांडे ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री और अपनी पार्टी का आभार व्यक्त करूंगा कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी दी है। पार्टी हमें जो भी जिम्मेदारी देगी, उसका हम पालन करेंगे। हम पार्टी के कार्यकर्ता है, पार्टी जो दिशा-निर्देश देगी उसपर काम करेंगे। अखिलेश यादव के बयान पर उन्होंने कहा, यह उनका मानसिक असंतुलन है। जब पूरे देश का जनादेश आज भाजपा, राष्ट्र और सनातन के स्तंभ के पक्ष में है तो समाजवादी पार्टी इस तरह के सवाल उठाती है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री कृष्णा पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष का मैं धन्यवाद करती हूं।

मुख्यमंत्री और संगठन के लोग मुझे जो भी दायित्व देंगे उसका मैं निर्वहन करूंगी।उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि सेवा के भाव से हम काम करेंगे, प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए अच्छे से अच्छा काम करेंगे।योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 में अभी मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री समेत 21 कैबिनेट मंत्री हैं। इनके साथ 14 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 18 राज्य मंत्री हैं। सरकार में 54 मंत्री हैं तो अधिकतम 60 मंत्री ही बनाए जा सकते हैं। बिना किसी को मंत्रिमंडल से हटाए आठ को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्रिपरिषद का आज विस्तार हुआ है। भूपेंद्र चौधरी और मनोज पांडे कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। सोमेंद्र तोमर और अजीत पाल सिंह को स्वतंत्र प्रभार का राज्य मंत्री बनाया गया। कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाया गया। छह नए चेहरे शामिल किए गए और है दो राज्य मंत्रियों को प्रमोशन देकर स्वतंत्र प्रभार दिया गया है।हंसराज विश्वकर्मा मंत्री- भूपेंद्र चौधरी मंत्री सोमेंद्र तोमर मंत्री कैलाश राजपूत मंत्री मनोज पांडे मंत्री सुरेंद्र दिलेर मंत्री कृष्णा पासवान मंत्री अजीत पाल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्ण पाल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभारयूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भूपेंद्र सिंह चौधरी, मनोज पांडेय, कृष्णा पासवान, कैलाश सिंह राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री पद की शपथ दिलाई। यूपी कैबिनेट में छह मंत्री बने, दो का प्रमोशन हुआ है।यूपी के कैबिनेट विस्तार पर राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी की एक नेक पहल है। सामाजिक संतुलन बनाए रखने और 'सबका साथ, सबका विकास' के विचार को आगे बढ़ाने के लिए - ताकि समाज के सभी वर्गों के लोगों को शामिल किया जा सके, हमारी सरकार कैबिनेट का विस्तार कर रही हैज अखिलेश यादव ईवीएम को खत्म करने पर अड़े हुए हैं, और ईवीएम उन्हें और इंडी गठबंधन को खत्म कर रहा है। उनके इन कदमों का नतीजा समाजवादी पार्टी के विनाश के रूप में सामने आएगाज भाजपा 2027 के यूपी चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी, और समाजवादी पार्टी एक बार फिर बुरी तरह से हार जाएगी। योगी-दो के कैबिनेट का पहला विस्तार 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 5 मार्च को हुआ था। इस विस्तार में कुल चार मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी।

आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी, अखिलेश ने कसा तंज

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बयान दिया है। इसमें उन्होंने योगी सरकार पर सवाल उठाते हुए तंज कसे हैं।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बयान दिया है। उन्होंने तंज भरे लहजे में एक्स पर बयान दिया कि आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी।उन्होंने एक्स पर दिए गए बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार पर जनता के विचार और सवाल- - उप्र में मंत्रिमंडल में केवल 6 रिक्तियाँ हैं, इससे ज़्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाज़ा जाएगा?क्या उनमें से सबसे कमज़ोर को चुना जाएगा जिससे कि उसकी कमज़ोरी कुछ कम हो जाए? - एक समाज के कई विधायकों में से किसी एक को चुना जाएगा तो चुनने का आधार क्या होगा? - अगर ऐसा हुआ तो बाक़ी दल-बदलुओं का क्या होगा? - उनकी उपेक्षा व अपमान को क्या कुछ ले-देकर शांत करा जाएगा? - या उन्हें भी ये अहसास करा दिया जाएगा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है? - बाक़ी छूटे हुए लोग क्या अपने को ठगा सा महसूस नहीं करेंगे? - वो अपने चुनाव क्षेत्र में मुँह दिखाने लायक बचेंगे क्या? - इसके अतिरिक्त प्रश्न ये भी है कि उनके अपने दल के जो लोग मंत्री बनने के इंतज़ार में सूखकर काँटा हो गये हैं, उन बेचारों का क्या होगा? - जिन वर्तमान मंत्रियों के विभाग कम किये जाएंगे तो क्या इससे जनता के बीच ये संदेश नहीं जाएगा कि वो नाकाम रहे, इसलिए उनसे मंत्रालय छीन लिया गया है? - ऐसे मंत्री तो बिना लड़े ही क्या अपना चुनाव हार नहीं जाएंगे? - साथी दलों को प्रतीक्षा के स्थान पर और कुछ मिलेगा या फिर उनको ये कहकर उपेक्षित कर दिया जाएगाज तुम थे जिनके सहारे, वो हुए न तुम्हारेज वो तो ठग हैं पुरानेज तुम ये सच न जानेज्ज और हां जनता ये भी पूछ रही है कि आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी। ये भी केवल वही करेंगे जो भाजपा सरकार ने किया है = भ्रष्टाचार और अत्याचार! पीडीए पर वार-ही-वार! महंगाई-बेकारी की मार! ये जीना कर देंगे दुश्वार!

200 यूनिट मुफ्त बिजली, महिला सुरक्षा के लिए विशेष बल; विजय ने शपथ लेते ही जनता को दिया तोहफा

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है। अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने आज चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। नौ नवनिर्वाचित विधायक भी मंत्री बने हैं। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतीं और कांग्रेस, वीसीके व वामदलों के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा 118 पार किया। कांग्रेस राहुल गांधी समेत कई बड़े नेता शपथ समारोह में शामिल हुए।तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय ने पदभार संभालने से पहले तिरुचिरापल्ली ईस्ट विधानसभा सीट से अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्य सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, उन्होंने पेरम्बूर विधानसभा सीट को अपने पास बनाए रखने का निर्णय लिया है। आज सचिवालय में मंत्री केए सेंगोट्टैयन और पी. वेंकटरामनन ने विधानसभा सचिव डॉ. के. श्रीनिवासन से मुलाकात कर विजय का इस्तीफा पत्र सौंपा।तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय ने तमिलनाडु सचिवालय में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के

रूप में कार्यभार संभाला।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर विजय और उनकी पार्टी टीवीके को बधाई दी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, मैं उन्हें, %तमिलगा वेत्री कझगम% और पूरे प्रगतिशील गठबंधन को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस सरकार का गठन आत्म-सम्मान, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और तर्कसंगत सोच की स्थायी ताकत की पुनः पुष्टि करता है। ये ऐसे मूल्य हैं जिन्होंने लंबे समय से तमिलनाडु की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को परिभाषित किया है। यह वह विरासत है जिसे पेरियार और कामराजर ने गढ़ा था। तमिलनाडु में लाखों लोगों, खासकर युवाओं ने टीवीके पर अपना भरोसा जताया है। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में ये आदर्श शासन का मार्गदर्शन करते रहेंगे और राष्ट्र को प्रेरित करेंगे। मैं नई सरकार के लिए कामना करता हूं कि वह करुणा, समावेशिता और समर्पण के साथ लोगों की सेवा करने में अपार सफलता प्राप्त करे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सरकार बनाने में समर्थन देने के लिए कांग्रेस, वीसीके और वाम दलों को धन्यवाद दिया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने लोगों से अपील की कि उन्हें कामकाज के लिए उचित समय दिया जाए ताकि परिणाम दिखाए जा सकें। उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने और पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ने की बात कही। साथ ही उन्होंने पिछली सरकार पर राज्य पर भारी कर्ज डालने का आरोप लगाया और कहा कि वह जनता से झूठे वादे नहीं करेंगे।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी लगभग 10 लाख करोड़ रुपये के भारी कर्ज के दबाव के बीच संभाली है। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राज्य की आर्थिक स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी किया जाएगा

संपादकीय Editorial

Bengal's 'Bloodline Character'

While a mandate for 'change' has been given in West Bengal, and the first BJP government is being sworn in today, Bengal's 'bloodline' remains unchanged. After the mandate, Bengal's 'Badlapur' is unfolding. Post-election violence, murder, arson, vandalism, encroachments, and bulldozers are rampant. Five political murders have already been committed. Among them, the most brutal is that of Chandranath Rath, Suvendu Adhikari's personal assistant. Suvendu is considered the future Chief Minister of the BJP government. Significantly, he defeated Chief Minister Mamata Banerjee in her home constituency, Bhawanipur. Chandranath was not a political figure. He was retired from the Air Force and had worked with Suvendu since he was a minister in the Mamata government and a trusted leader of the Chief Minister. The attackers gunned down Chandranath 100-150 meters from his home. The attackers are still out of police custody, but the SIT investigation is ongoing. Mamata Banerjee has demanded a court-monitored CBI investigation, a demand echoed by Trinamool leaders. Suvendu Adhikari believes the attackers targeted him because he defeated Mamata Banerjee, but his assistant was murdered. This was a premeditated, orchestrated, and brutal murder. The attackers will not be spared. Indeed, this murder itself reveals the "bloody character" of Bengal. However, after the elections and the mandate, BJP worker Madhu Mandal and Trinamool worker Abir Sheikh were beaten to death. A Congress worker was also killed, even though only remnants of the Congress remain in Bengal. Who are the "bloods" behind the "orgy" of violence that has unfolded from Kolkata, Howrah, Tollygunge, Hooghly, Bankura, Asansol, Birbhum, Jalpaiguri, to the 24 Parganas in Bengal? Bengal should be stripped of its respectable title of "Bhadralok," as it's now just a facade. Bengal ranks at the top in the country in political violence and murders. This is according to data from the National Crime Records Bureau. This time too, incidents of violence, vandalism, and arson have occurred in over 400 locations. More than 200 FIRs have been filed, 433 people have been arrested, and nearly 1,100 have been detained. 240,000 Central Security Force personnel were deployed in the state. Another 500 companies of the CAPF are being deployed, but Bengal's "bloody character" remains the same—no restraint, no change. Of course, Prime Minister Modi continues to appeal for "change, not revenge." This time, there was comparatively less violence during the elections. There were no murders, but after the elections and the mandate, Bengal's "bloody" character came to the fore. In fact, the seeds of violence sown by the Congress in Bengal were institutionalized during the Left Front's rule. When the Trinamool Congress came to power, Left-wing goons and criminals switched allegiances and joined the Trinamool. As a result, an ecosystem of violence, murder, bullying, hooliganism, and local intimidation was created during the 15-year rule. Trinamool goons and attackers continue to threaten the same system today, so the biggest challenge facing the BJP government is to crush that system as a priority. Now, after the mandate, riots are being waged to reclaim offices that were captured by other parties. Such attacks are increasingly taking place on Trinamool offices. There are even reports of bulldozers being used against Trinamool offices. However, Mamata Banerjee and her MP-nephew Abhishek Banerjee should not be forgiven for Bengal's "bloodline." Why should the needle of violence and murders not be focused on the words and sentences used by Abhishek like 'executioner', 'father in Delhi' and 'Amit Shah.

The Challenge of Restoring Bengal's Lost Glory

Now the BJP must restore Bengal's lost glory, a once-proud pride for both Bengal and Bengalis. A historic victory for the BJP in West Bengal. Public anger against corruption and appeasement. Restoring Bengal's lost glory. The BJP's victory in the West Bengal Assembly elections will be remembered for a long time. There are many reasons to remember it. The BJP, once considered completely out of the race for power in the state, has not only achieved a historic victory but also dealt a crushing defeat to the Trinamool Congress, which had considered itself invincible. Instead of accepting defeat with dignity, Mamata Banerjee and her nephew Abhishek Banerjee are bent on delegitimizing the BJP's victory by citing the Election Commission's extraordinary measures, such as the Intensive Revision of Voter Lists (SIR) and the extensive deployment of central security forces. However, their stance appears to garner neither support nor sympathy from any corner of the public. On the other hand, the scale of the BJP's victory is difficult to imagine. The party's top leadership had already sensed public discontent and systematically set out to capitalize on this anger. Preparations for this had been underway for years right under Mamata Banerjee's nose, but she ignored it. None of her allies could explain it to her. Consequently, the BJP's victorious chariot crushed the Trinamool Congress's stronghold. One reason for this is attributed to the polarization of Hindus in favor of the BJP, in comparison to which Mamata Banerjee's Muslim mobilization proved to be dwarfed. This explanation is superficially correct, as it ignores crucial aspects necessary to understand the storm brewing on Bengal's political scene. This BJP storm shattered the barriers that were systematically designed to permanently keep it away from state power by labeling it an outsider party. Some may even argue that corruption in the country is no longer an election issue, and that opposition to criminal elements has become limited to mobilizing crowds on the streets. However, the results in Bengal defy such notions. The people of Bengal expressed their anger by voting against the Trinamool Congress regime, which has become synonymous with corruption. Images of the huge amount of cash seized from a minister close to Mamata Banerjee remain fresh in people's minds. The election results also reflected the suffering of thousands of teachers and countless Bengali middle-class citizens who were cheated by the corruption prevalent in the system, as government officials took bribes and robbed them of their opportunities. Similarly, voters have punished the criminal behavior of the insensitive or even indifferent administration and the collusion of political leadership. Claims like "women are safest in Bengal" lose their value when the reality shows the complete opposite. Bengal has become notorious for not only not registering complaints from victims, but even if they are registered, the rate of conviction and punishment for the crime is the lowest. While child marriage has declined in other states, it is on the rise in Bengal. In this same state, women were publicly flogged, while the political leadership maintained silence, a silence directly linked to vote arithmetic. If Mamata Banerjee believed that her extreme, communal politics of minority appeasement would not provoke a sharp reaction, then perhaps she is not as shrewd a leader as she is believed to be. It was during her rule that Urdu was declared the official language in Bengal. The anguish generated by the marginalization of Hindus in the state and the protection given to radical Islamic elements and jihadists under her rule fueled this anger. Political developments in Bangladesh, where Hindus were targeted and persecuted, further fueled this anger. With the victory of Jamaat-e-Islami in all constituencies along Bangladesh's border with India, Bengali Hindus became aware of the danger knocking at their doorsteps. This became a decisive turning point in mobilizing Hindus against Mamata Banerjee and her communal rule. The Bengal results also demonstrated that freebies are only useful to a certain extent. Today, youth in Bengal are unemployed. Migration became the only option for livelihood, leaving only their dependents at home. There was a time when prominent Bengalis like scientists, technicians, artists, actors, musicians, teachers, doctors, and lawyers would migrate from Bengal and become part of the respected elite wherever they went. Now, Bengal faces a dearth of such talent. Instead, it has become known for its domestic workers, about whom numerous memes circulated during the elections, as most of them had gone to their home states to vote. This was a deeply humiliating, painful, and disappointing experience for many Bengalis like me. Much has gone wrong in Bengal, and the BJP must act swiftly and urgently to correct it. Building a 'new Bengal' and ushering in a 'second renaissance' is possible. Bengal possesses the resources and capabilities to achieve both goals. The only thing lacking is leadership. Now BJP will have to restore the lost glory of Bengal, which both Bengal and Bengalis were once proud of.

Cracks in the Opposition Alliance

Following the Congress party's alliance with actor Vijay's new party, TVK, in Tamil Nadu, the DMK has announced its break with the opposition alliance, INDIA. This move further weakens the INDIA alliance, raising questions about its political ethics. Congress joined Vijay's party, TVK, in Tamil Nadu. The DMK, expressing its displeasure with the Congress, broke off the alliance. The rift in the INDIA alliance further weakened its position. The DMK is understandably enraged by the way Congress, as soon as actor Joseph Vijay's newly formed party, TVK, emerged as the largest party in Tamil Nadu, signaling its intention to align with it and then unhesitatingly doing so. DMK leaders not only denounced the Congress's departure as a betrayal but also declared that its MPs would no longer sit with Congress MPs in Parliament. This is essentially a declaration of a break with INDIA. The CPI(M), CPI, and VCK, which, like the Congress, contested elections in alliance with the DMK, also chose to align with Vijay, demonstrating nothing more than opportunism. Since the CPI(M) and CPI(ML) no longer hold much political importance, their separation from the DMK is of little significance. However, the Congress's separation is likely to further weaken the opposition alliance, the INDI. It is a fact that the number of parties leaving the INDI is increasing. First, the JDU broke away, then the Aam Aadmi Party. Now, in a way, the Congress itself is distancing itself from it. Congress leaders argue that they were considering allying with the TVK before the elections, but this alleged consideration does not give them license to break the alliance after the elections. After all, is there such a thing as political morality and coalition dharma? The possibility of the INDI's future disintegration has increased further due to the Congress's frequent conflicts with its constituent parties in other states, such as Uddhav Thackeray's Shiv Sena in Maharashtra. It should also be noted that in the recent assembly elections in Bengal and Kerala, the alliance's constituents faced each other. There is ample reason to conclude that the Congress does not care about the future of the very alliance whose leadership it wants to maintain. The future of this alliance didn't look bright even before, but now it's looking even bleaker. The way Congress, which had contested elections with the DMK, suddenly joined forces with TVK to enjoy the fruits of power, makes it clear that it can abandon anyone for its own selfish ends. The Congress and DMK's alliance in Tamil Nadu spans more than two decades, but the DMK, for its own selfish reasons, disregarded this long association. Now, there's a strong possibility that other alliance partners will also break away from the Congress at the first opportunity. It shouldn't be overlooked that SP chief Akhilesh Yadav taunted the Congress for its U-turn, saying, "We're not the ones who abandon our allies in times of trouble."

A Renaissance with Change in Bengal

For the BJP and Prime Minister Modi, this election was never just a political contest. It was an opportunity to restore the lost glory of this great land—a civilizational call that transcends electoral equations and calculations. Bengal's cultural and spiritual renaissance. A pledge for development under PM Modi's leadership. A campaign to restore historical heritage. "Hey Nutan, Dekha Dik Ar-Bar, Janmero Pratham Shubhokhon." This means, "O New One, emerge once again, just as that first auspicious moment came at birth." These lines by Gurudev Rabindranath Tagore are not just part of a poem, but also an invocation to the soul of Bengal, which spontaneously and renews itself from time to time. Gurudev understood well that Bengal not only changes with time, but also blossoms into a better and newer form again and again. This poem, sung on Gurudev's birth anniversary, symbolizes renaissance and new consciousness. It is a happy coincidence that just days before Tagore's 165th birth anniversary, Bengal witnessed a renaissance after decades. For the BJP and Prime Minister Modi, this election was never merely a political contest. It was an opportunity to restore the lost glory of this great land—a civilizational call that transcends electoral equations and calculations. Today, as Bengal's consciousness and pride are dawning, it is essential to understand what Bengal is and what can be called its renaissance. Before becoming a center of social consciousness, Bengal was a sacred land of knowledge and spirituality. In the 15th century, on the banks of the Ganges in Nabadwip, a young monk, Nimai, gave a new direction to society through his kirtan. We know that young monk as Saint Chaitanya Mahaprabhu. The devotional path he pioneered was not only a pursuit of spiritual peace but also a campaign for social harmony. The Vaishnava tradition he inspired emphasized compassion, inclusiveness, equality, and goodwill in society. This same consciousness was also evident in the Baul tradition. The Baul tradition's fakirs were not identified by caste, sect, or any scripture, but by the spirit of humanity. The greatest proponent of the Baul tradition was Lalan Fakir. His affiliation never mattered. He opposed the caste system prevalent in Hindu society and spoke out against discrimination in Muslim society. He symbolized Bengal's cultural consciousness, which embodied tolerance and coexistence. Over the past three centuries, Bengal and its people not only participated in India's social renaissance movement but also led it. Raja Rammohan Roy chose the path of reforming society from within by awakening people to their own self-awareness. His struggle against the inhumane practice of Sati was not merely a movement for social reform, but a fervent attempt to revive the Indian spirit. Similarly, Ishwar Chandra Vidyasagar made education a means for the upliftment, empowerment, and liberation of women. Bankim Chandra Chattopadhyay gave the nation the immortal mantra of "Vande Mataram." This song empowered our freedom fighters to fight the British Empire and awakened a nation that had been asleep for centuries. Even today, this song resonates with the conscience of the people of India. Dr. Kadambini Ganguly, India's first female physician, inspired everyone, especially women. Born in Bengal, Dr. Shyama Prasad Mukherjee, a fierce nationalist, sacrificed his life for India's unity, integrity, and sovereignty. Perhaps among the extraordinary talents and great people Bengal has produced, Swami Vivekananda is the most radiant.

पड़ोसी के प्यार में अंधी मां: बच्चों की सिसकियां भी नहीं रोक सकीं महिला के कदम, प्रेमी का हाथ थाम चली गई पंजाब

थाने में करीब तीन घंटे तक चली पंचायत में परिजन महिला को समझाते रहे, जबकि पांच साल का मासूम मां से लिपटकर रोता रहा। इसके बावजूद महिला अपने दो बच्चों को गांव में छोड़ प्रेमी के साथ चली गई। यूपी के संभल स्थित बनियाठेर थाना परिसर में उस समय भावुक माहौल बन गया, जब तीन बच्चों की मां अपने प्रेमी के साथ पंजाब जाने की जिद पर अड़ गई। करीब तीन घंटे तक चली पंचायत में परिजन उसे समझाते रहे, जबकि पांच साल का मासूम मां से लिपटकर रोता रहा। इसके बावजूद महिला अपने दो बच्चों को गांव में छोड़ प्रेमी के साथ चली गई। पड़ोसी संग लिव इन रहने लगी मां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता कुछ माह पहले पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ घर छोड़कर पंजाब चली गई थी। वहां दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। करीब चार महीने बाद युवक बिना बताए गांव लौट आया। युवक के वापस आने की जानकारी मिलने पर महिला भी उसे तलाशते हुए गांव पहुंच गई।

महिला ने की साथ रहने की जिद, प्रेमी ने किया इनकार- गांव पहुंचने के बाद महिला युवक के साथ रहने की जिद करने लगी, लेकिन युवक ने उसे साथ ले जाने से इनकार कर दिया। इस पर महिला बनियाठेर थाने पहुंची और युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवक को थाने बुला लिया। महिला अपने पांच साल के बेटे को भी साथ लेकर थाने पहुंची थी। दो बच्चों को छोड़ चली गई प्रेमी संग पंजाब- थाने में दोनों पक्षों के बीच करीब तीन घंटे तक पंचायत चली। परिवार और रिश्तेदार महिला को बच्चों के भविष्य का हवाला देकर समझाते रहे, लेकिन वह अपने फैसले पर अड़ी रही। आखिर में प्रेमी ने दोबारा साथ रहने पर सहमति जता दी। जब महिला प्रेमी के साथ जाने लगी तो उसका पांच साल का बेटा मां से लिपटकर रोने लगा। बच्चे का चाचा उसे अपने पास रखने को तैयार था,

लेकिन बच्चे के लगातार मां के साथ जाने की जिद करने पर परिजनों ने उसे महिला के साथ भेज दिया। महिला अपने दो अन्य बच्चों को गांव में ही छोड़कर प्रेमी के साथ पंजाब चली गई। थाने में मौजूद लोग मासूम बच्चे की हालत देखकर भावुक हो उठे।

जागरूकता बढ़ाकर लोगों को करें स्वगणना के लिए प्रेरित

जनगणना के अन्तर्गत पहले चरण की शुरुआत में 21 मई तक चल रही स्वगणना के प्रति जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने लोगों को जागरूक कर प्रेरित करने के लिए कहा है। उन्होंने स्वयं के साथ दूसरों को भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट कर और ह्वाट्सएप स्टेटस पर स्वगणना की फोटो अपलोड करने की अपील की है।जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में ऑनलाइन विवरण भरकर स्वगणना की शुरूआत की थी। इसके बाद से वह जन सामान्य जागरूक करने के अभियान में जुटे हैं, जिससे गाइडलाइंस के अनुसार समय से जनगणना में सही व पारदर्शी तरीके से डेटा का डिजिटलाइजेशन हो सके। जिलाधिकारी स्वयं भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सक्रिय हैं। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी उन्होंने इसे प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। वह स्वयं इसकी मॉनीटरिंग जिला जनगणना प्रमुख के रूप में कर रहे हैं। इसका उद्देश्य लोगों को जनगणना में रुचि लेकर इसे राष्ट्रीय दायित्व मानकर सहभागिता सुनिश्चित कराना है।जन आंदोलन से घटेगा प्लास्टिक कचरा- ,स्मार्टफोन के दौर में सात से 10 सेकंड तक सिमट चुकी लोगों की एकाग्रता को वापस लाने और पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जिलाधिकारी ने नई पहल की है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने %%%%एक पुष्प, एक पुस्तक%%%% और %%%%सब पढ़ें, आगे बढ़ें%%%% अभियान को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए अधिकारियों से भी कहा है। उन्होंने सरकारी कार्यालयों में महंगे बुके पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उनका कहना है कि सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में आयोजित कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत में 200 से 1500 रुपये तक के महंगे और प्लास्टिक युक्त बुके (पुष्पगुच्छ) नहीं दिए जाएंगे। पुस्तकें %%पॉपकॉर्न माइंड%% से निपटने की कारगर दवा- जिलाधिकारी का मानना है कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग ने आम आदमी के मस्तिष्क को %%%%पॉपकॉर्न माइंड%%%% में तब्दील कर दिया है। लोगों में स्थिरता का अभाव हो गया है और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता (कंसंट्रेशन) घटकर महज सात, आठ या 10 सेकंड से लेकर अधिकतम एक मिनट तक रह गई है। इस प्रवृत्ति को सुधारने और इस गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्या से निपटने के लिए पुस्तकों का अध्ययन बेहद जरूरी है। जब कोई व्यक्ति किताब पढ़ता है, तो उसकी एकाग्रता स्वत: बढ़ने लगती है।

नहर में ट्रैक्टर पलटने से एक युवक की मौत, तहेरा भाई गंभीर घायल

क्षेत्र के गांव बेगमाबाद में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया। जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका तहेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सीएचसी पर भर्ती कराया गया है। दोनों ट्रैक्टर की सर्विस कराने जा रहे थे। यह घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे गांव बेगमाबाद में पूर्व विधायक जयदीप सिंह बरार के फार्म हाउस के पास हुई। खजुरिया थाने के खंडिया गांव निवासी रमन कुमार (20) अपने ट्रैक्टर की सर्विस कराने बेगमाबाद जा रहे थे। ट्रैक्टर रमन चला रहे थे और उनके तहेरे भाई विक्रांत (20) साथ बैठे थे। बरार फार्म से पहले अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया। दोनों भाई ट्रैक्टर के नीचे दब गए। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने हादसा देखकर शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग एकत्र हुए और दोनों को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला। पहचान के बाद परिजनों को सूचना दी गई, जो घटनास्थल पर पहुंच गए। रमन की मौके पर ही मौत हो चुकी थी और परिजन उसके शव को अपने साथ घर ले गए। गंभीर रूप से घायल विक्रांत को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। मृतक के रिश्तेदार भानु प्रताप, मनोहर लाल और आदेश कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। परिवार अब शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। थानाध्यक्ष पंकज पंत ने दुर्घटना की पुष्टि की है। उन्होंने भी बताया कि परिजनों ने इस घटना को एक अनहोनी मानते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने से मनाकर दिया है।

बाबा गैंग का भंडाफोड़: मुंह पर बांधे थे कपड़े, रामपाल को रास्ते में रोक लिया, रंगदारी का विरोध पर कर दी फायरिंग

जुनावई थाना क्षेत्र में ग्रामीण से एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने बाबा गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो तमंचे, कारतूस और एक बोलेरो गाड़ी बरामद हुई है। ग्रामीण रामपाल ने आरोप लगाया था कि तीन मई की रात आरोपियों ने रास्ते में रोककर रंगदारी मांगी और विरोध करने पर फायरिंग कर धमकी दी।पांच दिन पूर्व एक ग्रामीण से एक लाख की रंगदारी मांगने और न देने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने बाबा गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो तमंचे व बोलेरो गाड़ी भी बरामद की गई है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।थाना क्षेत्र के ग्राम दबथरा हिमंचल के रहने वाले रामपाल की ओर से बीती छह मई को दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया था कि वह तीन मई की रात जुनावई से गुन्नौर जा रहा था, कि दबथरा के रहने वाले अंकित एवं अजीजपुर के रहने वाले अवधेश सहित दस से पंद्रह लोग जिनके मुंह पर कपड़े बंधे हुए उन्होंने रास्ते में रोक लिया।सभी ने एक राय होकर एक लाख की रंगदारी मांगी। मना करने पर तमंचे से फायर करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। रामपाल ने पुलिस को बताया कि सभी आरोपी बाबा गैंग से जुड़े हुए अपराधी हैं। मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के आदेश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी, सर्विलांस व स्थानीय पुलिस की टीमें गठित की गई थीं। बृहस्पतिवार की रात पुलिस टीमों ने जुनावई के शनिवार बाजार से सराय ब्राह्मण जाने वाले रास्ते पर से आरोपी अंकित उर्फ दीपेंद्र निवासी ग्राम दबथरा व अवधेश उर्फ उपदेश कुमार निवासी अजीजपुर हरलाल को बोलेरो गाड़ी के साथ गिरफ्तार कर लिया। तलाशी ली गई तो इनके पास से पुलिस को दो 315 बोर के तमंचे व कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने पूछताछ में अपने अन्य साथियों के नाम बताए। इसके आधार पर प्रिंस निवासी यादव कॉलोनी थाना बहजोई व इसी मोहल्ले का कुलदीप जड़ेजा, अमन शर्मा निवासी बिजलीघर थाना बहजोई, और सुरेंद्र निवासी नगला डुमाइल थाना जुनावई को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एक व्यक्ति से रंगदारी वसूलने के प्रयास में उसे जाने से मारने की धमकी देने वाले कथित बाबा गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इसके लिए एसओजी, सर्विलांस एवं स्थानीय पुलिस की टीमें गठित की गईं थीं।

पकड़े गए बदमाशों से दो तमंचे एवं एक बोलेरो गाड़ी भी बरामद हुई है। इनके खिलाफ अन्य थानों में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुई हैं। - मनोज कुमार रावत, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सोशल मीडिया पर बना रखा है बाबा नाम से ग्रुप- जुनावई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनका 25-30 लोगों का एक ग्रुप है। सभी ने वाटसएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर बाबा नाम से ग्रुप बना रखा है, सभी आपस में जुड़े हुए हैं। बताया कि अपने शौक व जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को डरा धमका कर पैसे लेते हैं। पहले भी जेल जा चुके हैं। आमतौर पर लोग डराने धमकाने से पैसे दे देते है और डर की वजह से लोग पुलिस में भी जल्दी शिकायत नहीं करते हैं। गैंग में कुछ और लोग है, जिनका भी यही काम है। उन्होंने स्वीकार किया कि तीन मई की रात गांव दबथरा हिमंचल के रहने वाले रामपाल साथियों के साथ मिलकर एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। पैसे देने से मना किया तो उसे डराने के लिए हवाई फायर भी किए थे। पकड़े गए आरोपियों का आपराधिक इतिहास-जुनावई पुलिस की टीमों द्वारा गिरफ्तार किए गए ग्राम दबथरा निवासी अंकित उर्फ दिपेंद्र के खिलाफ जुनावई थाने में ही विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने में पांच मुकदमे दर्ज हैं। अवधेश उर्फ उपदेश कुमार निवासी अजीजपुर हरलाल के खिलाफ जुनावई थाने में चार और गुन्नौर थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं। बहजोई की यादव कॉलोनी के रहने वाले प्रिंस के खिलाफ बहजोई थाने में तीन व जुनावई में दो मुकदमे दर्ज हैं। इसी मोहल्ले के कुलदीप जड़ेजा के खिलाफ बहजोई में दो व जुनावई में एक रिपोर्ट दर्ज है। बहजोई के बिजली घर कालोनी अमन शर्मा के खिलाफ बहजोई में तीन व जुनावई में एक केस दर्ज है। इसी तरह नगला डुमाइल के रहने वाले अभियुक्त सुरेंद्र के खिलाफ जुनावई थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर खत्म, अब आएगा पोस्टपेड बिल

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। प्रदेशभर में आरडीएसएस योजना के तहत लगाए गए सभी स्मार्ट प्रीपेड मीटर अब पोस्टपेड मोड में 25 मई तक बदल दिए जाएंगे। इस फैसले से मंडल के 14 लाख उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली है। अब मंडल के चार लाख उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर में 90 प्रतिशित प्रीपेड हो चुके मीटर का जून में पहले की तरह बिल ही आएगा। इस संबंध में सभी विद्युत वितरण कंपनियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं।प्रबंध निदेशक नितीश कुमार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मई-2026 की बिजली खपत का बिल जून में पोस्टपेड प्रणाली के तहत जारी किया जाएगा। मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरासिया ने शुक्रवार को बताया कि मंडल के मुरादाबाद, रामपुर और संभल में 14 लाख उपभोक्ता हैं। जिसमें से अब तक चार लाख उपभोक्ताओं के घर व प्रतिष्ठान पर स्मार्ट मीटर लगाया जा चुका है और तीन लाख 75 हजार के स्मार्ट मीटर प्रीपेड मीटर में बदले गए थे। लेकिन अब उपभोक्ताओं को पहले रिचार्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि बिजली उपयोग के बाद मासिक बिल जमा करना होगा।बिजली विभाग ने निर्देश दिए हैं कि सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के बिल हर माह की 10 तारीख तक जारी किए जाएं। जिन क्षेत्रों में नेटवर्क समस्या या मीटर से ऑटोमेटिक रीडिंग नहीं मिल पाएगी, वहां मैनुअल रीडिंग लेकर बिल तैयार किया जाएगा। एसएमएस और व्हाट्सएप पर मिलेगा बिल- सभी स्मार्ट पोस्टपेड बिल उपभोक्ताओं को एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जाएंगे। जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर विभाग में अपडेट नहीं हैं, उन्हें 1912 हेल्पलाइन और व्हाट्सएप चैटबॉट के जरिये बिल उपलब्ध कराया जाएगा। घरेलू उपभोक्ताओं को 30 अप्रैल 2026 तक के बकाये को 10 आसान किस्तों में जमा करने की सुविधा दी गई है। र सकेंगे। सिक्योरिटी मनी फिर से लगेगी- बिजली विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रीपेड मीटर लागू करते समय समायोजित की गई सिक्योरिटी धनराशि अब पोस्टपेड व्यवस्था में फिर से चार समान मासिक किस्तों में वसूली जाएगी। यह राशि जुलाई 2026 से शुरू होने वाले बिलों में स्वत: जुड़ जाएगी। स्मार्ट मीटर और बिजली बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए 15 मई से 30 जून तक अधिशासी अभियंता और उपखंड अधिकारी कार्यालयों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे

संक्षिप्त समाचार

धूप की तपिश से बेहाल हुए लोग, उमस से बढ़ी परेशानी

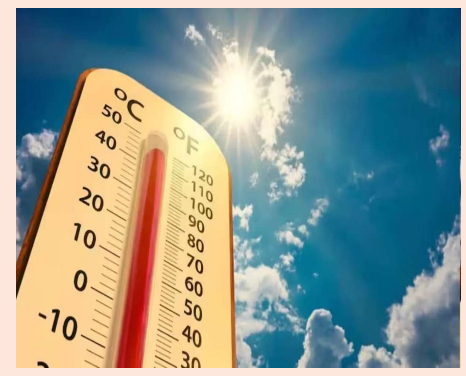

शनिवार को तेज धूप और बढ़ती उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण धूप तीखी रही और दोपहर होते-होते गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि तापमान सामान्य सीमा में रहा, लेकिन हवा में नमी अधिक होने से उमस ने लोगों को ज्यादा परेशान किया। दोपहर के समय शहर की सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में कम आवाजाही दिखाई दी। जरूरी काम से बाहर निकले लोग धूप से बचने के लिए छांव का सहारा लेते नजर आए। बाजारों और चौराहों पर गन्ने के रस, शिकंजी, नारियल पानी और अन्य ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। कई लोग सिर पर गमछा और छाता लगाकर धूप से बचाव करते दिखे। गर्मी का असर सबसे ज्यादा दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों और सड़क किनारे काम करने वाले लोगों पर देखने को मिला। लगातार पसीना निकलने और गर्म हवाओं के कारण लोगों को थकान और बेचैनी महसूस हुई।वहीं अस्पतालों में भी उल्टी, दस्त, बुखार और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले दो दिनों तक मौसम में इसी तरह गर्मी और उमस बनी रह सकती है। ऐसे में लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्का भोजन करने और धूप में निकलते समय सिर ढककर रखने की सलाह दी गई है। शाम के समय हल्की हवा चलने से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन दिनभर की गर्मी ने लोगों को परेशान किए रखा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से इलेक्ट्रीशियन की मौत

मिलक। कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन विजय की मौत हो गई। वह अपनी ससुराल से घर लौटते समय मिलक-बिलासपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक विजय नगर के मोहल्ला नसीराबाद के निवासी थे और उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्र व एक पुत्री हैं। कोतवाल पुष्कर सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

मियां कॉलोनी वार्ड-69 में सफाई अभियान हटाया अतिक्रमण जल निकासी व्यवस्था हुई दुरुस्त

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा / मुरादाबाद के करूला पीर का बाजार स्थित मियां कॉलोनी वार्ड-69 में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर नाले की साफ-सफाई कराई। लंबे समय से अतिक्रमण के चलते जल निकासी बाधित थी,

जिससे क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई थी। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन की मदद से नाले पर बने अवैध अतिक्रमण को हटाया और नाले की सफाई कराई। अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि भविष्य में नालों पर दोबारा अतिक्रमण न करें, ताकि जलभराव और बीमारियों जैसी समस्याओं से बचा जा सके। नीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि नाले की सफाई होने से अब क्षेत्र में जल निकासी बेहतर होगी और गंदगी से राहत मिलेगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम डैशबोर्ड में बरेली का डंका

डीएम अविनाश सिंह के नेतृत्व में विकास और राजस्व कार्यों में चमका बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी अप्रैल 2026 की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में जनपद बरेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में ओवरऑल रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस बड़ी उपलब्धि से जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के कुशल नेतृत्व, लगातार मॉनिटरिंग और गहन समीक्षा का ही परिणाम है कि बरेली ने विकास और राजस्व दोनों क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। विकास कार्यक्रमों में बरेली को प्रदेश में चौथा स्थान मिला, जबकि राजस्व कार्यों में जनपद ने दूसरा

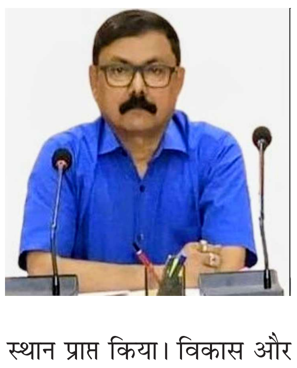

स्थान प्राप्त किया। विकास और राजस्व की संयुक्त ओवरऑल रैंकिंग में भी बरेली ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी मजबूत प्रशासनिक कार्यशैली का परिचय दिया है। बताया गया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पोर्टल पर विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं और परियोजनाओं के प्रदर्शन के आधार पर हर महीने रैंकिंग जारी की जाती है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह लगातार समीक्षा बैठक कर विभागीय अधिकारियों से हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट लेते रहे, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही विकास और राजस्व कार्यक्रमों में इसी तरह तेजी बनाए रखने के निर्देश भी दिए। डीएम ने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों और अन्य विभागीय अधिकारियों के प्रयासों की भी सराहना की।

फिट इंडिया का जोश... थल सेना के साथ बरेली की सड़कों पर दौड़ी साइकिल रैली

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली । फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार सुबह जोश, जुनून और देशभक्ति का शानदार नज़ारा देखने को मिलाज् जब भारतीय खेल प्राधिकरण यानी साई और भारतीय थल सेना के सहयोग से निकाली गई भव्य साइकिल रैली। संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम के तहत आयोजित इस रैली में सेना के जवानों, खिलाड़ियों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली की थीम रही – संडे ऑन साइकिल विथ इंडियन आर्म्ड फोर्सेस। रैली का शुभारंभ भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र से हुआ, जो धोपेश्वर नाथ मंदिर, कैंटोमेंट हॉस्पिटल, ऑफिसर मैस और

अब्दुल हाफिज़ द्वार से गुजरते हुए जाट रेजीमेंट सेंटर स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ जाट रेजीमेंट सेंटर के ब्रिगेडियर हरजीत पाल सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल आनंद वर्मा और साई केंद्र प्रभारी संदीप मोहन चौधरी ने किया। इस दौरान प्रतिभागियों को फिट रहने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट साइकिल चलाने और नियमित व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी के खिलाड़ियों सहित करीब 50 प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में कुश्ती प्रशिक्षक नवीन बालियान, सेपकटाकरा प्रशिक्षक मीना कुमारी, उपेंद्र पाल, शुभम चौरसिया और अर्पित बाजपेयी समेत कई लोग मौजूद रहे।

रिश्वतखोर दरोगा पर SSP अनुराग आर्य का बड़ा एक्शन, एंटी करप्शन ट्रैप के बाद तत्काल निलंबन

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली । भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने थाना इज्जतनगर में तैनात उप निरीक्षक विमल कुमार चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। 8 मई 2026 को एंटी करप्शन टीम को रिश्वतखोरी की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना इज्जतनगर की

चौकी बैरियर-2 कार्यालय में ट्रैप ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें उप निरीक्षक विमल कुमार चौहान को पकड़ा गया। इस मामले में थाना सीबीगंज, बरेली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एसएसपी ने आरोपों को गंभीर मानते हुए कहा कि आरोपी दरोगा ने अपने पदीय दायित्वों के विपरीत कार्य करते हुए कर्तव्यपालन में घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और कदाचार का परिचय दिया था।

थैलेसीमिया के खिलाफ बरेली में जागरूकता की हुंकार, न्यायाधीश ने दिखाई रैली को हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के बचाव और रोकथाम को लेकर रविवार को आईएमए हॉल (ब्लड बैंक) बरेली द्वारा भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती जया प्रियदर्शिनी ने हरी झंडी दिखाकर किया। आईएमए हॉल से शुरू हुई यह जागरूकता रैली चौकी चौराहे से होते हुए पुन: आईएमए परिसर पहुंची। रैली में आईएमए के डॉक्टरों के साथ दूर-दराज से आए थैलेसीमिया

पीड़ित बच्चे और उनके अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के दौरान लोगों को थैलेसीमिया बीमारी के प्रति जागरूक करते हुए समय पर जांच और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को इसके प्रति संवेदनशील बनाना रहा। रैली को सफल बनाने में पीएलवी भुवनेश कुमार यादव, शोएब अली खान, साधना, उन्नति मिश्रा, प्रभा और पूजा का विशेष योगदान रहा।

बरेली में तीन बड़े फ्लाईओवर की मांग, वन मंत्री अरुण ने सीएम को लिखा पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए वन एवं पर्यावरण मंत्री और शहर विधायक डॉ. अरुण कुमार ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्री ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शहर के तीन सबसे व्यस्त चौराहों पर फ्लाईओवर बनवाने की मांग की है। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने डेलापीर चौराहा, सौ फुटा तिराहा और सुरेश शर्मा नगर चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण की जरूरत बताते हुए कहा कि इन इलाकों में हर रोज भारी ट्रैफिक रहता है। पीक आवर में लोगों को घंटों जाम का सामना करना पड़ता है। पत्र में डेलापीर चौराहे पर पुलिस चौकी से मंडी समिति और सीएआरआई गेट की ओर टी-शेप फ्लाईओवर बनाने की मांग की गई है। वहीं सौ फुटा तिराहे पर देव प्राइमस अस्पताल से महानगर कॉलोनी की ओर पुल बनाने का प्रस्ताव रखा गया है इसके अलावा सुरेश शर्मा नगर चौराहे से सेटेलाइट की ओर लाइफलाइन अस्पताल तक फ्लाईओवर निर्माण की मांग भी की गई है। मंत्री का कहना है कि इन तीनों स्थानों पर शहर के साथ बाहरी वाहनों का दबाव भी रहता है, जिससे अक्सर यातायात प्रभावित होता है। बताया जा रहा है कि सेतु निगम पहले ही डेलापीर और सौ फुटा रोड फ्लाईओवर के लिए करीब 188 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार कर मुख्यालय भेज चुका है। लेकिन अनुमति न मिलने के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। अब एक बार फिर इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया गया है।

दबंगों ने शराब की दुकान के सेल्समैन का किया अपहरण, 18 घंटे बाद पुलिस ने कराया मुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। पीलीभीत बाइपास से शनिवार रात कार सवार दबंगों ने बाइक सवार शराब दुकान सेल्समैन का अपहरण कर लिया।

वह उसे कार में डालकर घुमाते और पीटते रहे। फिर उससे एक लाख रुपये फिरौती लेकर छोड़ने की पेशकश की। सूचना मिलने पर इज्जतनगर थाना पुलिस ने 18 घंटे बाद अपहृत युवक को छुड़ा लिया। एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। भुता थाने के सिसैया गांव निवासी 25 वर्षीय अभिषेक गंगवार केसरपुर की शराब दुकान पर सेल्समैन हैं। रविवार दोपहर

बाद इज्जतनगर थाने लाए गए अभिषेक ने बताया कि वह अपने परिचित ललित पटेल के साथ कुछ लोगों को उनका प्लॉट दिखाने गए थे। वहां से शनिवार रात साढ़े नौ बजे घर लौट रहे थे। वह पांच लोग दो बाइक पर थे। पीलीभीत बाइपास पर महानगर के पास पीछे से कार तेजी से निकली, जिससे उनकी बाइक को हल्की साइड लग गई। उन्होंने चीखकर एतराज किया तो कार से उतरे चार लोगों ने उन्हें उठाकर कार में डाल लिया। इसके बाद वे लोग कार तेजी से आगे ले गए।

इंस्पेक्टर इज्जतनगर सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि ललित पटेल ने अभिषेक के अपहरण की जानकारी तुरंत बाद ही पुलिस को दी थी। पुलिस ने सर्विलांस का सहारा लेकर टीमें लगाईं। आरोपी बार-बार अभिषेक का नंबर फ्लाइट मोड पर कर देते थे जिससे तलाश में दिक्कत आई। पुलिस टीम ने रविवार दोपहर दो बजे हवाई अड्डे के पास से अभिषेक को मुक्त करा लिया। एक आरोपी क्योलड़िया थाने के चंद्रपुर ख्यालीराम गांव निवासी उमाशंकर गिरफ्तार कर लिया गया है। कार भी बरामद कर ली है।

विधायक, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बूंदी भूड में लगाई चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं को सुना, शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार / पीलीभीत / विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान के साथ जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने तहसील कलीनगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत बूंदी भूड में एक विशाल जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में विधायक पूरनपुर, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वयं उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना।

चौपाल के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। इसमें मुख्य रूप से शिक्षा हेतु इंटर कालेज की मांग, विद्यालय में अध्यापकों की बढ़ोतरी की मांग, आवास, पेंशन, राशन कार्ड, सड़क व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने की मांग की।

जिलाधिकारी ने कहा कि शीघ्र

ही खंड विकास अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, डीसी मनरेगा सहित अन्य संबंधित अधिकारी गांव में सभी से वार्ता करेंगे उनको समस्याओं से अवगत कराएं ताकि समस्याओं का संबंधित विभाग गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कर सके। जिलाधिकारी ने कहा कि गांव में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आप लोग आत्मनिर्भर बने, सरकार द्वारा महिलाओं के लिए सिलाई मशीन, ब्यूटी पार्लर आदि कोर्स संचालित हैं,योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि गांव के विकास हेतु बजट की मांग कर बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इस तरह के आयोजनों से जनता और प्रशासन के बीच की दूरी कम होती है। उन्होंने ग्राम वासियों की मांग के अनुरूप संबंधित अधिकारी को कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

?मा. विधायक ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र व्यक्तियों से इनका लाभ उठाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों से वार्ताकर उनकी समस्याओं को सुना एवं गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखना की अपील की और कहा कि समस्याओं का निराकरण कराया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी,उप जिलाधिकारी कलीनगर, नायब तहसीलदार सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जनपद न्यायाधीश महोदय के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ एक लाख तिरेसठ हजार सात सौ आठ मुकदमो का निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार / पीलीभीत /अरूण कान्ति यशोदास, पूर्णकालिक सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि लखनऊ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पत्र सं0-87एसएलएसए-02/2026 (ऋ/सरन) दिनांकित 08 जनवरी 2026 के आदेश के अनुपालन में, मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ जनपद न्यायाधीश, महोदय पीलीभीत के निर्देशानुसार दिनांक 09.05.2026 को प्रातः 10ः00 बजे से सांय 05ः00 बजे तक दीवानी न्यायालय प्रांगण पीलीभीत एवं ग्राम न्यायालय पूरनपुर तथा वहाय न्यायालय बीसलपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकृति के कुल 1,63,708 (अंकन एक लाख तिरेसठ हजार सात सौ

आठ) वादों का निस्तारण कर मु0-76716631-/ (अंकन सात करोड सडसठ लाख सोलह हजार छः सौ इकतीस रूपये।) की धनराशि के समझौते किये गये। जिनमे जनपद न्यायालय पीलीभीत मे लम्बित 3,394 (तीन हजार तीन सौ चौरानवे), बैंक ऋण सम्बन्धित 507 (पाँच सौ सात), श्रम वाद 13 (तेरह) तथा उपभोक्ता फोरम से सम्बन्धित 02 (दो) एवं अन्य मुकदमो का निस्तारण किया गया। उपरोक्त निस्तारित वादों में 10 वैवाहिक जोड़ों का पुर्नमिलन कराते हुये वैवाहिक जोड़ों को परिवार न्यायालय पीलीभीत से ही हंसी खुशी विदा किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मन्नत पूरी होने पर दरगाह में गूंजी अकीदत की सदाएं

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा /रीना किन्नर ने पेश की चादर दरगाह शाह मुक्कुल्म साहब पर अकीदत का सैलाब, रीना किन्नर ने चादरपोशी कर मांगी मुल्क में अमन-चैन की दुआ ढोल-नगाड़ों, फूलों और जयकारों के बीच निकला चादर जुलूस, बड़ी संख्या में उमड़े

श्रद्धालु गुरु परंपरा और भाईचारे की मिसाल बना आयोजन मुरादाबाद की मशहूर दरगाह शाह मुक्कुल्म साहब पर उस वक्त अकीदत और खुशियों का अनोखा संगम देखने को मिला, जब मन्नत पूरी होने की खुशी में समाजसेवी रीना किन्नर ने बड़े ही श्रद्धा भाव और पूरे विधि-विधान के साथ चादरपोशी की। दरगाह परिसर या हज़रत, लब्बैक या रसूल और अमन-शांति की दुआओं से गूंज उठा। ढोल-नगाड़ों, फूलों की बारिश और उत्साह से भरे माहौल में निकले चादर जुलूस ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया इस खास मौके पर किन्नर समाज सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं वरिष्ठ नेत्री रूबी किन्नर ने भी शिरकत की। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनके गुरु शारदा किन्नर हमेशा इंसानियत, भाईचारे और सभी धर्मों के सम्मान की सीख देते थे। उन्होंने कहा कि दरगाह पर चादरपोशी कर देश में अमन, शांति, तरक्की और भाईचारे की दुआ मांगी गई है रूबी किन्नर ने कहा कि इंसानियत से बड़ा कोई मजहब नहीं होता और दरगाहें हमेशा मोहब्बत, एकता और भाईचारे का पैगाम देती आई हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज को नफरत नहीं बल्कि मोहब्बत और आपसी सौहार्द की जरूरत है वहीं रीना किन्नर ने बताया कि उनके गुरु माला किन्नर थे और लंबे समय से उनके दिल में यह तमन्ना थी कि वह अपने एक कमरे में हज़रत ए जैनब की ज़री मुबारक स्थापित करें। अब उनकी यह मुराद पूरी हो गई है, जिसकी खुशी में उन्होंने दरगाह पर चादर पेश कर नियाज़ का आयोजन कराया। उन्होंने कहा कि इस नेक काम को पूरा करने के बाद उनके दिल को बेहद सुकून मिला है। पूरे आयोजन के दौरान दरगाह परिसर रोशनी, फूलों और अकीदत के रंग में रंगा नजर आया। चादर जुलूस में शामिल लोगों ने हाथ उठाकर मुल्क में खुशहाली, भाईचारे और इंसानियत की दुआ मांगी। कार्यक्रम में नैना किन्नर, काजल किन्नर, मुस्कान किन्नर, मुन्नी किन्नर, नेहा किन्नर, पिंकी किन्नर सहित बड़ी संख्या में किन्नर समाज और क्षेत्रवासी मौजूद रहे रूबी किन्नर हमारे गुरु शारदा किन्नर हमेशा सभी धर्मों का सम्मान करने और इंसानियत की राह पर चलने की सीख देते थे। आज मन्नत पूरी होने पर दरगाह शाह मुक्कुल्म साहब पर चादर पेश कर हमने मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी है। रीना किन्नर मेरे गुरु माला किन्नर थे। दिल में बहुत समय से इच्छा थी कि हज़रत ए जैनब की ज़री मुबारक स्थापित करूं। आज अल्लाह के करम से वह मुराद पूरी हुई है। इसी खुशी में दरगाह पर चादरपोशी और नियाज़ का आयोजन किया गया है। गुरु परंपरा मुन्नी किन्नर गुरू माला किन्नर काजल किन्नर, मुस्कान किन्नर गुरू रीना किन्नर नैना किन्नर गुरू मोहिनी माइकल नेहा किन्नर, पिंकी किन्नर गुरू काजल किन्नर

23 मई तक होगी गेहूं खरीदी, किसानों की स्वीकृति लंबित न रखने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा)कटारे)/ शिवपुरी। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य लगातार जारी है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सभी समिति प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि गेहूं खरीदी के बाद किसी भी किसान की स्वीकृति लंबित नहीं रहनी चाहिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का भुगतान समय पर मिल सके।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के 49 खरीदी केंद्रों पर उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। सहकारी समितियों एवं वेयरहाउसों पर गेहूं खरीदी और स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया 23 मई 2026 तक जारी रहेगी।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी किसान को स्लॉट बुकिंग की तारीख निकलने, तौल पर्ची या अन्य तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वे तत्काल जिला आपूर्ति कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभागीय स्तर पर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। खाद्य विभाग ने सभी पंजीकृत किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी उपज का विक्रय कर खरीदी प्रक्रिया पूर्ण कराएं, जिससे भुगतान में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बंटवारे के विवाद में युवक की हत्या,बड़े भाई और दो भतीजों पर रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सिजौलिया गांव में शनिवार देर रात घर के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में 35 वर्षीय युवक इरफान की ईंट मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। अन्य की तलाश कर रही है। मृतक इरफान की पत्नी नसरीन ने आरोप है कि इरफान के बड़े भाई और परिवार के सदस्यों ने उन पर हमला किया था। नसरीन ने बताया कि घर के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और कई बार पंचायत भी हुईं लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। शनिवार रात जेठ अजब शाह ने घर की दीवार गिरा दी, जिसका इरफान ने विरोध किया। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और गुस्साए जेठ ने अपने बेटों शोएब और साहिल के साथ मिलकर इरफान पर हमला कर दिया। नसरीन ने बताया कि उनके पति इरफान के सिर पर आरोपियों ने ईंट मारी गई। ईट के नुकीले हिस्से से इरफान घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां ने आरोपी अजब शाह और उसके दो बेटों शोएब व साहिल के खिलाफ नवाबगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिना मानक व बिना रजिस्ट्रेशन के धड़ल्ले से चल रहा है झाड़ फूस का कारोबार

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम सकरगड़ी में वर्षों से झाड़ फूस जंतर मंतर का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है सूत्रों से जानकारी मिली है

कि तहसील हसनपुर के ग्राम सकरगडी गांव में वर्षों से झाड़ फूस जंतर मंतर व जादू टोने का कारोबार धड़लले से चल रहा है ग्राम सकरगड़ी के क्षेत्र में जाने पहचाने उम्र भट्टे वाले के बराबर में गली के अंदर मदरसे की आड़ में बड़ी लेवल पर काफी वर्षों से झाड़ फूस उतारा जादू टोना मनचाहा प्यार पैसे का सपना दिखाकर जनता को लूटने का कारोबार चल रहा है संचालक घमंड और दबंग किस्म का है इस धंधे को वर्षों से किसी की नजर नहीं पड़ी और खुलेआम मदरसे की आड़ में झाड़ फूस जादू टोना मनचाहा प्यार जैसा कारोबार खुलेआम क्षेत्र में हो रहा है जबकि शासन लगातार झाड़ फूस व बिना डिग्री डॉक्टर पर बिना रजिस्ट्रेशन के ष्टस्ह्ल के आदेश के अनुसार सख्त कार्रवाई कर रहे हैं तो इसके बावजूद हसनपुर क्षेत्र के ग्राम सकरगड़ी में यह संचालक किसके बल पर इतना बड़ा कारोबार कर रहा है सूत्रों से जानकारी मिली है कि इस संचालक ने इसी कारोबार से करोड़ों रुपए का कारोबार कर रखा है अब देखना यह है कि क्या अधिकारी इस झाड़ फूस करने वाले संचालक पर क्या कार्रवाई करेंगे या इसी तरह क्षेत्र की जनता इस संचालक के चक्कर में आकर लुटती रहेगी

आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर में विकास कार्यों पर लगा ग्रहण

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश/ आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर में विकास के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं हाल ही में हुई मामूली सी बारिश ने ही आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर की सूरत बिगाड़ कर पालिका के टूवेल तक और कुछ सड़क भीतर जाने इस कवर विकराल हो गई है कि शहर वासियों का गया है आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर ब्लॉक वाले रास्तों पर जमा गंदे पानी और कीचड़ के कारण आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर की नालियां गंदगी से पटे पडे है जिससे जल निकासी पूरी तरह अधिकारियों की कार्यशैली से आदर्श नगर पालिका पालिका हसनपुर के अधिकारियों के बात करने के पालिका परिषद हसनपुर के अधिशासी अधिकारी सीधा आरोप भी लगाया जा रहा है आदर्श नगर कि शहर की समस्याओं को लेकर जब भी हसनपुर कोशिश की जाती है तो उसका व्यवहार और बात है आदर्श नगर पालिका हसनपुर की जनता का आरोप दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है स्थिति दिन ब दिन बदतर होती जा रही है निर्वाचित परिषद के लोगों में भारी नाराजगी व्यक्त है जल

रख दी है मुख्य मार्ग गजरौला चौराहे से नगर वाले रास्ते दर्जनों रास्तों पर जल भराव की स्थिति अंदरूनी रास्तों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो के सामने समीप और सरकारी अस्पताल के पीछे राहीगिरो का पैदल निकलना भी दूभर बार है हुए नाले लंबे समय से सफाई न होने के कारण टफ हो गये है आदर्श नगर पालिका परिषद के हसनपुर की जनता में भारी रोश है आदर्श नगर लहजे पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं आदर्श नगर पर विकास कार्यों की घोर अनदेखी करने का पालिका परिषद हसनपुर की जनता का कहना है के लोग अधिशासी अधिकारी से संपर्क करने की करने का लहजा अभद्र और अ सहयोग पूर्ण होता है कि अधिशासी द्वारा समस्याओं के समाधान की जिससे आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर की प्रतिनिधि के इस रवैया को लेकर नगर पालिका भराव और गंदगी के कारण आदर्श नगर पालिका परिषद में स संक्रमक बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है सड़कों पर जमा गंदा पानी और नालियों की सडॉढ अब आदर्श नगर पालिका के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन बन चुकी है रास्तों व नालो में हफ्तों तक जमा रहने वाले गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है जिससे डेंगू मलेरिया और टाइफाइड जैसी सकारात्मक बीमारियों के फैलने का डर बना हुआ है चारों ओर फैली हुई दुग्ध में लोगों का सांस लेना मुहाल कर दिया है आदर्श नगर पालिका परिषद की जनता ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई और सफाई मच्छरों की दवाई छिड़कने का अभियान नहीं चलाया गया तो आदर्श नगर पालिका की समस्या को लेकर लोगों ने मौखिक कई बार अवगत कराया और प्रशासन से मांग की गई आदर्श नगर पालिका की जनता ने जिला प्रशासन और नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी से भी मांग की है कि आदर्श नगर पालिका परिषद के विकास कार्यों की जांच कराई जाए और मानसून से पहले इन रास्तों को दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को राहत प्रदान की जाए वरना आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर में माहवारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है

यूपी में बड़ा हादसा: दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर दो की मौत, एक 19 तो दूसरे की उम्र 20 साल; बनाते थे फर्नीचर

दीपक भोजपुर के पट्टी गांव का निवासी था। सागर हापुड़ के सदीकपुरा का रहने वाला था। दोनों युवक फर्नीचर बनाने का काम करते थे। वे अपने काम से लौट रहे थे या कहीं जा रहे थे।यूपी के मोदीनगर स्थित डीएमई पर थानाक्षेत्र भोजपुर के क्षेत्र में पट्टी गांव टकराई। हादसे में बाइक सवार दो फर्नीचर मिस्त्री की पीछे बैठा युवक बिना हेलमेट के था। हादसे के बाद पट्टी गांव निवासी दीपांशु उर्फ दीपू (19) पुत्र दिनेश दोनों गाजियाबाद की एक फैक्टरी में काम करते थे। पट्टी गांव लौट रहे थे। बाइक में उनके औजार रखे थे। हेलमेट था। पट्टी गांव के पास पहुंचने पर आगे चल रहे टकराई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। फैल गए। सूचना पर एक्सप्रेस-वे की पेट्रोलिंग टीम मोदीनगर ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने दोनों को मृत सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमोर्टम को भेजे। युवकों

के पास रविवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक पीछे से ट्रक में जा मौत हो गई। जिसमें एक युवक ने हेलमेट लगा रखा था, जबकि मौके से चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।थानाक्षेत्र भोजपुर के व हापुड़ के सदीकपुरा निवासी सागर (19) पुत्र बबलू दोस्त थे। रविवार को दोनों बाइक से ड्यूटी पर ही गए थे। दोपहर काम कर सागर बाइक चला रहा था, पीछे दीपांशु बैठा था।सागर के सिर पर ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे उनकी बाइक ट्रक जा उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें रखे औजार सड़क पर व पुलिस मौके पर पहुंची। खून से लथपथ दोनों को सीएचसी घोषित कर दिया। पुलिस ने शिनाख्त कर दोनों के परिजनों को की मौत के बाद से ही घर में कोहराम मचा है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। एसीपी भास्कर वर्मा का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

ईडी सुपारी किलर, आप सांसद संजय सिंह बोले- पूरे देश में चुनावी घोटाले कर रही भाजपा

आम आदमी पार्टी के नेताओं पर ईडी की कार्रवाई को लेकर संजय सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा हर चुनावी राज्य में ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर लोकतंत्र को कुचल रही है।आम आदमी पार्टी सांसद और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के आंदोलन और जनता के दबाव के कारण सरकार को प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना पर पीछे हटना पड़ा, लेकिन पोस्टपेड स्मार्ट मीटर के जरिए अभी भी जनता को लूटने का काम जारी है।संजय सिंह ने रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश के गांवों और शहरों में लोग खुद स्मार्ट मीटर उखाड़कर फेंक रहे थे, महिलाओं तक ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। संजय सिंह ने कहा कि किसी का 600 रुपये का बिजली बिल 3000 रुपये आ रहा है, किसी का 2000 रुपये का बिल 10000 रुपये तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि मिल्खा सिंह से तेज भागने वाले स्मार्ट मीटरों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और पोस्टपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ भी लड़ाई जारी रहेगी।संजय सिंह ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं, जिला इकाइयों, प्रांतीय पदाधिकारियों और प्रकोष्ठों को बधाई देते हुए कहा कि उनके संघर्ष और प्रदेश की जनता के दबाव के कारण सरकार को पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है और जनता की लूट बंद होने तक आंदोलन जारी रहेगा। संजय सिंह ने शिक्षा व्यवस्था पर कहा कि नीति आयोग और भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 9508 विद्यालय ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक के भरोसे पूरा स्कूल चल रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या एक शिक्षक के भरोसे मिड डे मील, पढ़ाई और पूरे विद्यालय का संचालन संभव है। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जिसका अर्थ है कि गांवों की शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में एक लाख स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक है और उनमें लगभग 10 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 30000 स्कूल ऐसे हैं जहां बिजली तक नहीं है। भीषण गर्मी में बच्चे बिना बिजली के कैसे पढ़ेंगे, इसकी किसी को चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि 98592 स्कूल ऐसे हैं जहां लड़कियों के लिए शौचालय तक की व्यवस्था नहीं है। भाजपा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देती है लेकिन बेटियों के सम्मान और शिक्षा की बुनियादी व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है। भाजपा लोकतंत्र को कुचल रही है संजय सिंह ने पंजाब में आम आदमी पार्टी के नेताओं पर ईडी की कार्रवाई को लेकर संजय सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा हर चुनावी राज्य में ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर लोकतंत्र को कुचल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग में बैठे ज्ञानेश कुमार के माध्यम से पूरे देश में चुनावी घोटाले किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले अशोक मित्तल पर छापेमारी कर उन्हें भ्रष्टाचारी बताया गया, लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें वाशिंग मशीन में धुला हुआ घोषित कर दिया गया। अब पंजाब में संजीव अरोड़ा को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीन दिन तक छापेमारी के बावजूद कुछ नहीं मिला तो झूठा मामला बनाकर गिरफ्तारी कर ली गई। संजय सिंह ने कहा कि ईडी भाजपा का सुपारी किलर बन चुकी है। जहां चुनाव होता है वहां यह एजेंसी सक्रिय हो जाती है और राजनीतिक विरोधियों की राजनीतिक हत्या करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि संजीव अरोड़ा की कंपनी पर मोबाइल निर्यात में फर्जीवाड़े का आरोप लगाया गया जबकि हर मोबाइल का आईएमईआई नंबर होता है और आसानी से पता लगाया जा सकता है कि मोबाइल निर्यात हुआ या नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल दबाव बनाकर विरोधियों को अपनी पार्टी में शामिल कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और बाद में उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया। हिमंत विश्व शर्मा पर आरोप लगाए और बाद में उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं बल्कि विरोधियों को डराकर अपनी पार्टी में शामिल कराने की है। उन्होंने कहा कि राजकुमार आनंद और कैलाश गहलोत पर पहले छापेमारी और पूछताछ की गई, उन्हें भ्रष्टाचारी बताया गया और बाद में भाजपा में शामिल कर लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मातृ दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर में अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस भावपूर्ण तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर चिकित्सा कर्मियों और प्रसुताओं ने केक काटकर मातृत्व दिवस की खुशी मनाई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य केंद्र परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। उपस्थित चिकित्सकों ने मां के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में माताओं की भूमिका सर्वोपरि है। इस मौके पर अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं और नवजात शिशुओं की माताओं को बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक भी किया गया। ?समारोह में अस्पताल स्टाफ के साथ कई स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं, जिन्होंने एक-दूसरे को बधाई देकर इस विशेष दिन की खुशियाँ साझा कीं।

दीदियों की उड़ान को मिला नया पंख, एनआरएलएम प्रशिक्षण में गूंजी आत्मनिर्भरता की आवाज

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली ।भोजीपुरा स्थित जिला ग्राम्य विकास संस्थान में आज महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम देखने को

मिला, जहां एनआरएलएम योजना के तहत आजीविका सखियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य ने समूह संचालन, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक ताकत बन रहे हैं। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. सुनील वर्मा, डीआरपी सुनीता सिंह, तिलक मौर्य, राजेश गुप्ता, दर्शना रानी, राजेश कुमार द्विवेदी और मोहित समेत कई लोग मौजूद रहे।

हसनपुर में बिजली विभाग की घोर लापरवाही, जर्जर खंभा गिरा बड़ा हादसा टला

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / जिला अमरोहा के हसनपुर में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही, 24 घंटे बाद भी नहीं हुई

कार्रवाई हसनपुर कस्बे के मोहल्ला हिरन वाला में इदरीश पनवाड़ी के घर के सामने जर्जर बिजली का खंभा दिनांक 4 अप्रैल 2026 को शाम लगभग 5 बजे तेज हवाओं के चलते अचानक गिर गया खंभा पहले से ही बेहद जर्जर हालत में था, जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा कई बार बिजली विभाग से की गई थी, लेकिन हर बार विभाग ने इसे नजरअंदाज किया। नतीजा यह रहा कि खंभा आखिरकार गिर पड़ा। सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि घटना के 24 घंटे बाद भी बिजली विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है न तो खंभे को हटाया गया और न ही नया खंभा लगाने की कोई व्यवस्था की गई है गनीमत यह रही कि खंभा गिरने के समय कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, वरना जानमाल का भारी नुकसान हो सकता था घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में भारी नाराजगी है और लोगों का कहना है कि बिजली विभाग सिर्फ हादसे का इंतजार करता है, कार्रवाई नहीं करता बड़ा सवाल क्या बिजली विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है कब जागेंगे जिम्मेदार अधिकारी मांग तुरंत नया खंभा लगाया जाए और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

नहीं आई सरकारी एंबुलेंस, परिजनों ने घायल युवक को ई-रिक्शा से पहुंचाया अस्पताल

बदायूं के उसहैत क्षेत्र में एक घायल युवक को एंबुलेंस न मिलने पर परिजनों ने ई-रिक्शा से उसे अस्पताल पहुंचाया। महेश नामक युवक छत से गिरकर घायल हो गया था। परिजन का आरोप है कि उन्होंने

108 एंबुलेंस सेवा को सूचना के बाद भी वाहन नहीं स्वास्थ्य विभाग की रविवार को उसहैत क्षेत्र में सेवा को सूचना देने के बावजूद पहुंचा तो मजबूर परिजनों ने चारपाई पर लिटाकर ई-रिक्शा पहुंचाया। इस घटना ने की पोल खोल दी है।घटना अक्टूइयां की है। जानकारी ग्राम सोंधेमई थाना उसावां के में मजदूरी कर परिवार का दो दिन पहले वह अपनी बहन आए हुए थे। शनिवार रात वह रहे थे। देर रात पानी पीने के अचानक उनका पैर फिसल गिरे। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें तड़पने लगे।घटना के तुरंत एंबुलेंस सेवा पर फोन कर

दी लेकिन घंटों इंतजार पहुंचा।बदायूं जिले में लापरवाही का मामला सामने आया। एंबुलेंस घंटों तक वाहन नहीं घायल युवक को में बांधकर अस्पताल सरकारी एंबुलेंस सेवा उसहैत क्षेत्र के गांव के अनुसार महेश, जो निवासी हैं। वह पानीपत भरण-पोषण करते हैं। के घर अक्टूइयां गांव मकान की छत पर सो लिए उठकर जाते समय गया और वह नीचे जा आईं और वह दर्द से बाद परिजनों ने 108 मदद मांगी, लेकिन

काफी देर इंतजार करने के बावजूद एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। परिजन लगातार संपर्क करने की कोशिश करते रहे, लेकिन राहत नहीं मिली। मजबूरी में परिजनों ने गांव निवासी श्यामपाल के ई-रिक्शा का सहारा लिया। ई-रिक्शा पर चारपाई बांधकर घायल महेश को उस पर लिटाया गया और काफी मुश्किलों के बीच उसहैत कस्बे तक लाया गया। वहां एक निजी चिकित्सक से प्राथमिक उपचार कराया गया। उपचार के बाद परिजन उन्हें वापस गांव ले गए। मैनेजर बोले- जांच कराई जाएगी - परिजनों ने बताया कि महेश के पैर में फ्रैक्चर होने की आशंका है और उन्हें जिला अस्पताल ले जाना जरूरी है, लेकिन एंबुलेंस नहीं मिलने और आर्थिक तंगी के चलते निजी वाहन कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। मामले पर जिले की एंबुलेंस सेवा के प्रोग्राम मैनेजर इस्लाम सैफी ने बताया कि उस क्षेत्र में विभाग की तीन एंबुलेंस संचालित हैं। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मरीज को आवश्यकता होने पर 20 मिनट के भीतर एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। घटना के बाद ग्रामीणों में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। लोगों का कहना है कि आपातकालीन सेवाएं समय पर न मिलने से मरीजों की जान खतरे में पड़ सकती है। ग्रामीणों ने जिले के अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

600 रुपये देकर बोला था उत्तम..., मां मेरे बीमार बेटे का रखना ध्यान; दर्दनाक हादसे में परिवार के 5 की मौत

बुलंदशहर में नेशनल हाईवे 34 पर शुक्रवार शाम बहुत ही दर्दनाक हादसा हो गया। एक ही बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक ही बाइक पर सवार थे और खुर्जा से अपने गांव धमेड़ा कीरत लौट रहे थे। बाइक पर परिवार के पांच सदस्यों के अलावा बैग भी थे। इनकी बाइक को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पांचों लोगों की

मौके पर ही मौत हो गई। परिवार देवी के दर्शन करने जा रहा हूं। तीन का ध्यान रखना। वह बीमार भी है। लेना। बेटे उत्तम की इन बातों को पाल सिंह भी बेटे की बात को याद रुपये रखो दवा ले आना।मां वीरवती लिए खुशी-खुशी विदा किया था। वापस लौटने का वादा कर गया लौटने का इंतजार कर रही थीं। जिस बच्चों की मौत की खबर आएगी। नहीं की। जहां उन्हें अपने बेटे और बार एक बार बात नहीं करने का रह गई हैं। उनकी यादें और छोटा

में अब एक दो साल का मासूम बचा है।मां, मैं माता वैष्णो से चार दिन में लौट आऊंगा। तुम मेरे बेटे रियांश उर्फ कृष्णा ये 600 रुपये हैं, आप रख लो। इसमें से अपनी भी दवा ले याद करके मां वीरवती बार-बार बिलख रही थीं। पिता महिला कर रो रहे थे। कहा था पापा अखरोट लेकर आऊंगा। 200 का कहना है कि उन्होंने बेटे को धार्मिक यात्रा पर जाने के बेटे को विदा करते समय वह नहीं जानती थी कि तीन दिन में बेटा अब नहीं आएगा।बूढ़ी आंखें बेटे और परिवार का वापस दिन बेटे को वापस आना था उसी दिन बेटे, पुत्रवधू और तीनों बताया कि घर से जाने के बाद बेटे ने उससे से फोन पर बात उसके परिवार को खोने का दुख है, वहीं उन्हें बेटे से अंतिम भी दुख है। अब केवल बेटे, परिवार की यादें ही उनके पास बेटा रियांश ही अब उनके जीने का सहारा है। पिता महिपाल ने

रुंधे गले से बताया कि बेटा उत्तम उनका बहुत ध्यान रखता था। उनकी दवाई से लेकर खाने पीने तक का पूरा ख्याल रखता था। वैष्णो देवी पर जाने से पहले उसने उन्हें यात्रा पर जाने के बारे में बताया था। जाते समय उसने उनसे पूछा था कि पिता जी क्या लाना है। उन्होंने बेटे को अखरोट लाने के लिए कहा था।बेटे ने जाते समय उन्हें दो सौ रुपये भी दिए थे और समय से दवाई लेने के लिए कहा था। मगर बेटे को विदा करते समय वह नहीं जानते थे कि अब उनका ख्याल करने वाला बेटा कभी वापस नहीं आएगा। अपने साथ परिवार की खुशियों को भी ले जाएगा। बताया कि वैसे उनके तीन बेटे और हैं। एक ही बाइक पर थे माता-पिता व तीन बच्चे, हादसे में पांचों की मौत- बुलंदशहर में नेशनल हाईवे 34 पर शुक्रवार शाम बहुत ही दर्दनाक हादसा हो गया। एक ही बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक ही बाइक पर सवार थे और खुर्जा से अपने गांव धमेड़ा कीरत लौट रहे थे। बाइक पर परिवार के पांच सदस्यों के अलावा बैग भी थे। इनकी बाइक को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार में अब एक दो साल का मासूम बचा है। अगौता थाना क्षेत्र के गांव धमेड़ा कीरत निवासी ठाकुर उत्तम सिंह (40 वर्ष) उनकी पत्नी उर्मिला (36 वर्ष) बेटे निशांत (10 वर्ष), बेटी दिशा (8 वर्ष) के साथ मंगलवार को वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए थे। वे अपनी पांच वर्षीय बेटी नायरा को जाते समय वह खुर्जा में साली के घर पर छोड़ गए थे। जाते समय उन्होंने अपनी बाइक साली के घर पर ही छोड़ दी थी। शुक्रवार को परिवार दर्शन करके ट्रेन से खुर्जा लौटा था। खुर्जा स्टेशन से उत्तम परिवार के साथ अपनी साली के घर पहुंचे। यहां से उन्होंने बाइक ली और पांच वर्षीय बेटी को भी साथ लिया। दंपती ने बाइक पर दोनों बच्चों को बीच में बैठा लिया। छोटी बेटी नायरा को आगे टंकी पर बैठाया। दंपती, बच्चों के अलावा बाइक पर दोनों ओर भारी बैग बंधे हुए थे। एक बैग बाइक के हैंडल पर रखा था। जब परिवार नेशनल हाईवे-34 पर खेतलपुर भांसौली कट के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। बाइक अनियंत्रित होने से दंपती और तीनों बच्चे सड़क पर जा गिरे। बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण सभी लोगों के सिर में गंभीर चोट आई। प्रत्यक्षदर्शी शाह फैज ने बताया कि हादसे के करीब पांच मिनट के अंदर वह मौके पर पहुंच गए थे। सभी लोगों के सिर से खून बह रहा था। दंपती, निशांत और दिशा के शरीर में कोई हरकत नहीं थी। छोटी बच्ची के शरीर में हरकत दिखाई तो उन्होंने उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए गोद में उठाया। गोद में उठाते ही उसकी भी गर्दन लटक गई। मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना को अंजाम देकर चालक ट्रक को लेकर भाग गया। इस भयावह घटना को देखकर लोग होशोहवास खो बैठे। किस को ट्रक का पीछा करने की सुधि नहीं रही। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस सभी लोगों को अस्पताल लेकर पहुंची, यहां चिकित्सकों ने पांचों लोगों को मृत घोषित कर दिया। फॉरेंसिक टीम ने मौक पर पहुंचकर घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में किसी ने भी हेलमेट नहीं लगाया हुआ था। वैष्णों देवी के दर्शन करने जाते समय उत्तम अपना दो साल के बेटे रियांश उर्फ कृष्णा को अपने माता-पिता के पास छोड़ गये थे। उस मासूम को अभी यह भी बोध नहीं है कि उसने इतनी कम उम्र में ही माता-पिता और सभी भाई-बहनों को खो दिया है। फाइनेंस का काम करते थे उत्तम- ग्रामीणों ने बताया कि उत्तम गांव में ही निजी फाइनेंस कंपनी चलाते थे। वह काफी मिलनसार थे और प्रतिदिन आसपास के लोगों के साथ बैठकर हंसी मजाक करते थे। लोगों ने बताया कि उनके व्यवहार के सभी कायल थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि ऐसा हो जाएगा। उधर, ट्रक नंबर की जांच की गई तो पता चला कि उसका मालिक विदेश में रहता है। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

एनएच 58 पर कार की टक्कर से भाई-बहन की दर्दनाक मौत, पांच साल का मासूम बाल-बाल बचा; देखें सीसीटीवी फुटेज

खड़ौली निवासी अनीता और उनका भाई देवेंद्र बच्चे को लेकर गोद में लेकर सड़क पार कर रहे थे, तभी अनियंत्रित कार ने उन्हें टक्कर मार दी। भाई-बहन की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी कार चालक

को हिरासत में ले लिया है। थाना कंकड़खड़ा दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका पांच वर्षीय हुई जब दोनों सड़क पार कर रहे थे और एक चालक सहित पांच अन्य लोग भी मामूली रूप गया है। जानकारी के अनुसार, थाना कंकड़खड़ा हुआ। अनीता पत्नी पवन और उनका भाई देवेंद्र रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार इको कार अनियंत्रित प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार गंभीर चोटें आने के कारण सुभारती अस्पताल ले विराट की बाल-बाल बची जान- हादसे के गनीमत रही कि वह कार की सीधी चपेट में परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है, वहीं

क्षेत्र में एनएच 58 पर भीषण सड़क हादसे में भाई-बहन की भतीजा बाल-बाल बच गया। यह घटना रविवार दोपहर उस समय इको कार ने उन्हें अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी। इस हादसे में कार से घायल हुए हैं। भाई-बहन की मौत से परिवार में कोहराम मच के अंतर्गत खड़ौली के सामने एनएच 58 पर यह दुखद हादसा सैनी निवासी खड़ौली बच्चे विराट को गोद में लेकर सड़क पार कर होकर उनकी ओर बढ़ी और दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। थी कि अनीता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि देवेंद्र सैनी को जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मृत्यु हो गई।मासूम समय अनीता का पांच वर्षीय भतीजा विराट भी उनके साथ था। आने से बच गया और सुरक्षित रहा। इस घटना ने जहां एक ओर दो दूसरी ओर सड़क सुरक्षा के प्रति एक बार फिर चिंता व्यक्त की जा

रही है। जा रही है। आक्रोश और सुरक्षा पर सवाल- इस हृदय विदारक घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। लोगों ने एनएच 58 पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जताई है और प्रशासन से ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। कार चालक से पूछताछ की

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर जेल में कैदी की संदिग्ध हालात में मौत, पेड़ पर लटका मिला शव, पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों का हंगामा

गांव पृथ्वीपुर निवासी दीपक लूट के मामले में एक साल से जेल में बंद था। उसका शव रविवार को पेड़ पर लटका मिला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जेल में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। बिजनौर जेल में एक कैदी की फंदे से लटककर मौत हो गई है, जिसने जेल प्रशासन पर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। मृतक की पहचान दीपक पुत्र चंद्रपाल निवासी गांव पृथ्वीपुर के रूप में हुई है। दीपक 18 फरवरी 2025 से लूट के मामले में जेल में बंद था। इस घटना के बाद मृतक के परिवारजनों और गांव वालों ने पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया और आत्महत्या किए जाने की बात पर गहरा संदेह जताया।जानकारी के अनुसार, घटना रविवार दोपहर के समय हुई, जब जेल के बंदियों को बैरक से बाहर निकाला गया था ताकि वे अपना भोजन कर सकें। इसी दौरान दीपक जेल परिसर में स्थित एक आम के पेड़ के पास पहुंचा और कथित तौर पर रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एएएसपी) सिटी और तहसीलदार ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।परिजनों का आरोप और आक्रोश पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे मृतक दीपक के परिवारजनों और गांव वालों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दीपक आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकता था और इस घटना के पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। उन्होंने आत्महत्या की बात को सिरे से खारिज करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। आगे की कार्रवाई- फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। घटनास्थल का मुआयना करने के साथ-साथ जेल अधिकारियों और अन्य बंदियों से भी पूछताछ की जा रही है। जेल के कैमरे भी देखें जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। हालांकि, परिजनों के तीखे तेवर और उठाए गए सवालों के चलते इस मामले की जांच और भी जटिल हो गई है। प्रशासन की ओर से मामले को शांत करने और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया है।

यातायात शिवपुरी द्वारा NHAI टीम के साथ दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/राजकुमार शर्मा (कटारे)/ सड़क दुर्घटनाओं में

कमी लाने के लिए थाना यातायात शिवपुरी द्वारा NHAI टीम के साथ दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया जिसमे आवश्यकतानुशार साईन बोर्ड, रिफलेक्टर, रेडियम लगाने एवं अवैध कटों को बंद करने के लिये बताया गया। शिवपुरी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में प्रदेश स्तर पर यातायात जागरूकता बढ़ाने एवं सड़क दुर्घटनाओं मे कमी लाने के लिए अभियान चलाया गया है जिसके तहत पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस द्वारा लोगों को जागरुक करते हुए दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण जा रहा है। थाना यातायात पुलिस द्वारा आज दिनांक 10-05-2026 को NHAI की टीम के साथ दुर्घटना संभावित क्षेत्रों 1. खूबत घाटी ब्लैक स्पॉट 2. कटमई तिराहा 3. नोहरी रेलवेब्रिज 4. पिपरसमा चौराहे का संयुक्त निरीक्षण किया गया। नेशनल हाईवे पर हो रही सड़क दुर्घटना को देखते हुए कमी लाने के लिये NHAI की टीम के साथ निरीक्षण किया गया है। निरक्षण के दौरान NHAI टीम को इन सभी जगहों पर रेडियम, रिफ्लेक्टर, साइन बोर्ड लगाने, प्रोपर मार्किंग करने एवं हाईवे पर ढाबा, होटल संचालकों द्वारा किए गए अवैध कटों को बंद करने के लिये बताया गया है। सड़क किनारे खड़ी झाड़ियों को हटाने के लिए बताया गया जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। विगत पिछले 18 महीनों में खूबत घाटी से लेकर कक़रबाया तिराहे तक कुल 73 सड़क दुर्घटनाओं में 80 लोग घायल एवं 30 लोगों की मृत्यु हुई हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Is your ex getting close again? Giving your relationship a second chance in these 5 situations is doing yourself a disservice.

They say that reheating cold tea only makes it taste bitter. The same applies to relationships. Heartbreak is incredibly painful, but even more confusing is when your ex suddenly tries to come back into your life. When they text or call, old memories flood back, and your heart starts wondering, "Should I give it another chance? Will everything be alright this time?" But wait! It's not wise to reread the old book every time, because you already know the story's ending. If you're thinking of getting back to your ex in these 5 situations below, believe me, you're doing yourself a disservice. When the root cause of the breakup hasn't improved—has the issue that initially broke you up been resolved? If your ex's attitude, habits, or thinking haven't changed even slightly, going back means inviting the same pain all over again. When the disease is the same and the person is the same, how can the outcome be different? Returning to a relationship without any change is like torturing yourself again. When respect and trust have been shattered in the relationship—did your ex cheat on you? Did they humiliate or insult you over every little thing? Remember, respect is more important than love in any relationship. Reintroducing someone who once broke your trust and couldn't value you is tantamount to self-degradation. When you're going back just because you're afraid of loneliness—often we return to our exes not because we truly love them, but because we're afraid of being alone. If you're clinging to that old relationship just to fill a void or alleviate boredom, it'll only make you cry later. Learn to be alone; it's a thousand times better than being with someone who isn't right for you. When they're returning just for their own "convenience"—some people tend to return to their old partners when they can't find a new partner or when they feel a void in their lives. Consider whether your ex is using you as a "backup plan"? You're precious. You shouldn't be someone's second choice, but their first priority. When it's not your mind, but only "old memories," we often miss not the person, but the good times we initially shared with them. It's easy to get carried away by old photos and sweet memories on your phone, but no matter how beautiful the memories, they can't change your current reality. The truth is, the relationship ended, and there was a good reason for it. Let memories remain memories; don't let them ruin your present. Life is about moving forward—take your past as a lesson, don't let it become your future. You deserve someone who loves you unconditionally the first time, not someone who realizes your worth only after losing you. Start loving yourself, recognize your worth, and forever close the door that only pulls you back.

Is your child glued to a screen all day? Try these 3 tricks to improve focus.

In a world of mobile phones and reels, reconnecting children with books is essential. Jalaj Kumar Anupam explains that the habit of reading isn't an overnight achievement, but rather a continuous culture. Developing a reading culture amidst their growing influence is a major challenge today. Today's childhood is becoming increasingly confined to the light of screens. Mobile phones, television, and reels have made children's worlds more immediate and superficial. This change isn't limited to habits; it's also affecting their thinking, concentration, and sensitivity. At such a time, reconnecting children with the world of books is not just an option, but an essential necessity, as books are the medium that fosters patience, depth, and imagination. Home environment matters - It's said that in a home devoid of books, thoughts don't last long. This statement is even more relevant in the context of children. Habits developed in childhood form the foundation for a lifetime. If the habit of reading is developed at this stage, a child becomes not just a test-passer, but a person who understands life, questions, and thinks. The family's role is crucial in this regard. Children learn not by preaching, but by example. If parents read, discuss books, and incorporate them into their daily lives, a child develops a natural interest in reading. An interesting routine helps - Renowned children's writer Harikrishna Devsare has clearly stated that children are not taught the habit of reading, but rather, they are provided with an environment in which they begin to read on their own. If screens dominate the home, books are marginalized. Therefore, it is essential to create a home environment where books are useful, not merely decorative. Children become what they see every day, not just what they are told. This is the fundamental principle of this entire process. If parents allocate some time each day for reading and read in front of their children, this habit gradually inculcates in them. Telling stories to young children, reading with expression, and asking them simple questions makes this process interesting. Selecting the right literature – Giving children choices is equally important. When they have the freedom to choose their favorite books, reading becomes a joy for them. Books don't just provide words; they also teach a way to think. Careful selection of literature is essential. In this context, children's books like Geeta Press's Children's Picture Ramayana and Inspiring Children's Stories effectively communicate moral values ??in simple language. Meanwhile, Suruchi Prakashan's precious stories, biographies of great men, and inspiring anecdotes foster courage, idealism, and a sense of nationalism in children. These books not only provide information but also shape children's character and perspective. Today, the format of books has changed so much that they are not only read but also listened to. Audiobooks are connecting children with stories, which is positive, but reading and listening are not the same. Balancing screens and books - Numerous studies today indicate that excessive screen time impacts children's concentration and memory. Therefore, balancing the use of digital media is crucial. While a complete ban isn't practical, setting clear time limits is essential to ensure the mental space needed for reading. It's important to understand that the habit of reading isn't an immediate achievement; rather, it's a continuous process that gradually transforms into a culture. It requires patience, consistency, and the right direction. If families, schools, and society work together in this direction, childhood can be brought back to the world of books. Only when childhood connects with books will society become rich in ideas.

Has your child started crying and insisting on everything? Don't scold, these smart tricks will correct this habit.

Parents can adopt some simple tips to overcome their child's stubbornness. It's normal for children to insist on certain things as they grow older, but when this becomes a constant occurrence, it becomes a mental and emotional challenge for parents. Often, children don't know the right way to express their feelings, so they use stubbornness as a weapon. If this habit isn't addressed promptly, it can cause problems for both the child and the parents. If your child is becoming stubborn, let's learn some tips that can help you correct this habit with love and understanding. Don't be hasty in reacting - When a child demands something by screaming or crying, parents often either retaliate in anger or give in and give in. Both of these situations are wrong. Your yelling and nagging makes the child aggressive. Instead, remain calm. When your child sees that their fussiness isn't having any effect on you, they will gradually break this habit. Develop a habit of listening - Sometimes a child becomes stubborn because they feel they aren't being heard. Look them in the eye and try to understand what they really want. When they feel understood, their stubbornness will naturally subside. Offer options - Children love it when they feel like they have their own decisions. Instead of giving direct orders, give them options. This will make them feel in control of their lives and reduce stubbornness. Follow a routine - Uncertainty can make children irritable. If their sleeping, eating, playing, and studying times are fixed, they know what's coming next. A fixed routine gives a child a sense of security, which reduces unnecessary stubbornness. The right way to say no - Saying no to everything can make a child negative. If the child is asking for chocolate and you don't want to give it, then instead of saying no, your teeth will get spoiled, say that we will eat chocolate on Sunday. By turning the topic in a positive way, negativity does not come in the child. Praise good behavior - We often pay attention to the child's bad behavior, but when he remains calm or agrees to something good, we ignore it. Whenever the child obeys you without insisting, praise him. Tell him how much you liked this behavior of his.

Working with the Khans doesn't guarantee a career, Urvashi Rautela bluntly stated, "Your own brand value..."

Actress Urvashi Rautela, citing her mother as her inspiration, said that family comes first for her. She emphasized building her own brand value rather than preparing for "Inspector Avinash 2" and working with the Khans. It's not easy to be like your mother. You just have to try. Actress Urvashi Rautela is also making that effort. Urvashi, who is working on the second season of Jio Hotstar's web series "Inspector Avinash," said on Mother's Day that her mother is not only a wonderful mother, but also a complete package: a good daughter-in-law, daughter, sister-in-law, sister-in-law, and friend. She knows Kathak, singing, playing the harmonium and piano, painting, embroidery, and knitting. I'm amazed that she can even handle business. Urvashi describes herself as a family girl, saying, "For me, she's number one. No matter how difficult the situation, she knows how to handle it." Calling her mother her friend, Urvashi adds, "Ever since I started modeling, my parents have accompanied me everywhere. Initially, they would wait for me on set for hours. I'm a family girl. For me, family comes first, then career. Hardly any actress would take their family to the Maldives. I always go with my parents. I'm not saying those who go with someone else are wrong, but I prefer to be with my family." How did she prepare for Inspector Avinash? Regarding her preparation for her role in Inspector Avinash 2, Urvashi says, "This time, Poonam Mishra's character will be more visible. To play this role, I spent time with Avinash Mishra's wife." I've tried to capture the way she wears bangles, saris, and her body language. I've always believed that behind every successful man is a woman. If Avinash is strong, his wife has been an unmatched support system for him. Spending time with her gave me the opportunity to get closer to the character. I shot many scenes without makeup—many of them were shot in the rain. I wore no makeup, just kajal and lip balm. My family said, "You look better without makeup." This role gave me the opportunity to try something new. Urvashi has worked with many superstars in South Indian cinema, but she hasn't done so in Hindi cinema. Regarding this, she says, "There's no guarantee that once you've worked, your career will be made." There are 20-25 examples of actresses whose first film was with a superstar, but today they are nowhere to be found." What is Urvashi's opinion on working with the Khans? There's no guarantee that working with the Khans will advance your career. I've worked with Sunny Deol, Hrithik Roshan, John Abraham, and Anil Kapoor, all of whom are superstars. I believe that instead of depending on others, actresses should become independent. Building one's own brand value is more important. Recently, Urvashi has been in the news, sometimes for cutting a gold-decorated cake, and sometimes for claiming to have a temple. Urvashi considers this negative publicity. She says that since the beginning of her career, attempts have been made to pull her down. There is a lot of competition in this profession. When someone feels that someone is doing good work and is capable, negative publicity is used to tarnish their image. Therefore, I always talk about my achievements so that people can be inspired by it. I always want my work to be talked about. If I want to be in the news, I can easily do that. But I only talk when it's useful. Why doesn't she get photographed in front of the paparazzi? So, does Urvashi dislike being in front of the paparazzi? To this, she says, "No, I don't spend any money on it. But the paps have memorized the numbers of all my cars. I live in Juhu, and that's where they're based. They find me wherever I go. Sometimes, to mislead them, I get into a different car. When I'm in the spotlight so much without wanting to, I don't feel like getting photographed every day." Further, discussing the reason for not responding to controversies, Urvashi says, "Everything is going so well in my life, why should I say, 'Come on, bull, hit me.' One percent of the hundred percent are saying, 'If you're happy, then say so. I don't even look at them." Urvashi's upcoming films - Urvashi will be seen in Kasoor 2 and Welcome to the Jungle. Is there pressure associated with franchise films? She says, "Kasoor 2 has a new story. Aftab Shivdasani, Jassi Gill, and I have performed all the scenes well. We hope people will enjoy it. As for Welcome to the Jungle, it features many veteran actors. I enjoyed doing comedy."

"I punched the stuntman and..." Taskaree actress Amruta Khanvilkar was injured during an action scene.

Amruta Khanvilkar had always wanted to perform action on screen. She got the opportunity in "Taskari," but the actress did something that injured her. Whether it's Alia Bhatt, Deepika Padukone, or Katrina Kaif, these days, actresses, along with actors, are also seen performing a lot of action in Hindi cinema. This is being seen as a positive change. Actress Amruta Khanvilkar, who has appeared in films like "Raazi" and "Malang," and web series like "Lootere" and "36 Days," now feels ready to try her hand at action. Injured during an action scene - Sharing her excitement about action, Amrita says, "Now I consider myself very prepared for action. Before acting, you need to train to avoid injury, but I've already been injured. My first action role was in the web series "Taskari," where I had to punch a stuntman." Amrita Khanvilkar further added, "Both I and the stuntman were injured while performing in "Taskari." So now I know how severe the injury can be. Now, I'm ready to try my hand more in the world of action. For a female actor, acting in front of the camera is a unique experience. When a director trusts you and chooses you for action, it boosts your confidence significantly." Neeraj Pandey gives women opportunities Amrita adds, "Filmmaker Neeraj Pandey always gives actresses roles in his projects. He has been delivering amazing action scenes ever since. If you watch actress Taapsee Pannu's action in the films 'Naam Shabana' and 'Baby', you'll know that he inspires his actresses to break the shackles and try something new. I consider myself lucky to have had the opportunity to act under his direction."

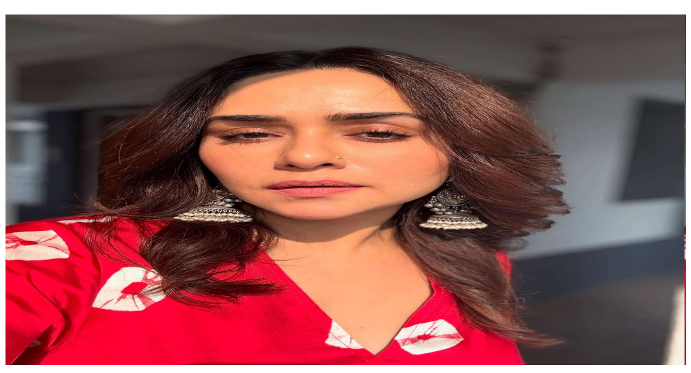

Amidst the tremendous success of "Krishnavataram," actor Siddharth visited Premanand Maharaj, and the film is receiving accolades.

Actor Siddharth Gupta, amidst the success of his film "Krishnavataram," traveled to Vrindavan to seek the blessings of Premanand Maharaj. Fulfilling his mother's wish, he showed Maharaj Ji the trailer of the film and described the meeting as a dream come true. Actor Siddharth Gupta's film "Krishnavataram Part 1" is currently in the news. The film is earning impressive box office collections. Meanwhile, the film's star, Siddharth, traveled to Vrindavan to seek the blessings of Pujya Premanand Maharaj. Siddharth, who gained fame playing Lord Krishna on screen, traveled to Vrindavan to fulfill his mother's wish before the film's release. Siddharth posted an Instagram post in which he is seen seeking Premanand Maharaj Ji's blessings and sitting with folded hands in front of him. The actor also showed Maharaj Ji the trailer of his film "Krishnavataram: Part 1." Siddharth described meeting Premanand Maharaj Ji as a dream come true and shared his feelings in a recent Instagram post. Sharing photos from the meeting, Siddharth wrote, "The day I got the opportunity to play Krishna in 'Krishna Avataram', my mother had only one wish: that I seek the blessings of Pujya Premanand Maharaj Ji before the film reaches the world. At that time, I had no idea how this would be possible. But some prayers find their own way." Siddharth wrote a lengthy post: "By the grace of Lord Krishna and the collective faith of our entire team, we had the privilege of meeting Maharaj Ji in person in Vrindavan, showing him our trailer, and receiving his blessings for 'Krishna Avataram'. For me, it wasn't just a moment...it was the fulfillment of a dream, the answer to my mother's prayers, and a blessing that will last a lifetime." What was the film's collection?

'Krishna Avataram' is directed by Hardik Gujjar. The first part of the film released in theaters on May 7th. The film's budget is reported to be between 80 and 100 crore rupees. Krishnavatharam: Part 1, which opened with a mere 42 lakh rupees on its first day, performed exceptionally well on its second day. It saw a 178% jump, collecting 1.15 crore rupees on its second day. On the third day, the film earned 2.25 crore rupees. Thus, in just three days, the film has grossed 4.57 crore rupees nationwide.